मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 36
गुरुवार, 14 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

दौसा में पिकअप और कंटेनर में भीषण भिड़ंत,वढ निवासी 11 लोगों की मौत

दौसा/राजस्थान। दौसा जिले में बुधवार अलसुबह को हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया. दौसा-मनोहपुर रोड पर बापी के पास एक कंटेनर और यात्री पिकअप की जोरदार भिड़ंत में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, एक महिला ने एसएमएस में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है. एसएमएस अस्पताल में 8 घायल मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनमें से 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है. सूचना मिलने पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. गिरधर गोयल एसएमएस अस्पताल पहुंच रहे हैं. हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं. मृतकों में 4 महिलाएं और 7 बच्चे शामिल हैं.

रवि प्रकाश शर्मा, दौसा पुलिस उपाधीक्षक

घायलों के साथ उनके 3 अटेंडेंट भी साथ आए थे, लेकिन अटेंडेंट को ज्यादा चोट नहीं लगी थी. सीमा देवी नाम की एक घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि उनके पति मनोज भी गंभीर अवस्था में हैं. उनको कक्षव में रखा गया है. इसके अलावा तीन अन्य गंभीर रूप से घायल मरीजों को हेड इंजरी है. घायलों में तीन छोटे बच्चे हैं, जिसमें से एक बच्चे की हालत गंभीर है. सीमा देवी के पति मनोज को वेंटिलेटर पर रखा गया है. तीन अन्य महिलाएं भी गंभीर रूप से घायल हैं.

जिला प्रशासन ने की पुष्टि : दौसा जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, बापी के पास हुए एक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है. 9 लोगों को इलाज के लिए रेफर किया गया है और 3 का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है. यह दुर्घटना एक यात्री पिकअप और कंटेनर के बीच हुई है.

डीएसपी रविप्रकाश शर्मा ने बताया कि सभी लोगों ने पहले खाटूश्याम दर्शन किए. इसके बाद सालासर बालाजी के दर्शन कर घर जा रहे थे. इस दौरान बापी से पहले रोड किनारे खड़े कंटेनर में गाड़ी जा घुसी, जिसमें 7 बच्चे और 4 महिलाओं की मौत हुई है. डीएसपी ने बताया कि हादसे में सभी मृतक उत्तर प्रदेश के एटा जिले के असरौला के निवासी हैं.

इनकी हुई पहचान : हादसे में मरने वालों में पूर्वी (3) पुत्री संजीव, प्रियंका (25) पत्नी संजीव, दक्ष (5) पुत्र जयप्रकाश

खाटूश्याम-बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे

राजपूत, शीला पत्नी जयप्रकाश, अंशु (26) पुत्र संतोष के नाम सामने आए हैं. अन्य मृतकों की शिनाख्त की जा रही है. वहीं, सीमा (23) पत्नी मनोज, मनोज (25) पुत्र लाखन, नैतिक (8) पुत्र सौरभ, प्रियंका पत्नी लाखन, रीता (26) पत्नी सौरभ, लक्ष्य (7) पुत्र सौरभ, नीरज (20) पत्नी जशवंत राजपूत, सौरभ (26) पुत्र खूबकरण राजपूत, सौरभ (32) पुत्र ज्ञान सिंह राजपूत गंभीर घायल हुए हैं. इन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया है. साथ ही चार मामूली घायलों का दौसा जिला अस्पताल में इलाज जारी है.

घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य : हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया. गंभीर रूप से घायलों को जयपुर और अन्य बड़े चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है. प्रशासन ने मृतकों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें सहायता राशि और जरूरी मदद का आश्वासन दिया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. कई यात्री वाहन में फंस गए, जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया. हादसे के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद खोला.

राष्ट्रपति ने जताया दुख : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि दौसा, राजस्थान में हुई सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों समेत अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत ही दुखद है. मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं. मैं इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं. सीएम-डिप्टी सीएम ने जताया दुख : सीएम भजनलाल ने एक्स पर पोस्ट कर हादसे को लेकर दुख जताया. उन्होंने लिखा कि दौसा में भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है. जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है. वहीं, डिप्टी सीएम प्रेम चंद बैरवा ने भी लिखा कि दौसा में हुए भीषण सड़क हादसे में जनहानि होने का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है. घायलों के शीघ्र व समुचित उपचार के लिए दौसा जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है. संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं.

अमेरिकी शुल्क से प्रभावित क्षेत्रों की मदद के लिए सुझाव देने को समिति का गठन: फडणवीस

मुंबई, 13 अगस्त। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की पहचान के लिए समिति का गठन किया गया है और उसके सुझाव लागू किए जाएंगे।

भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि महाराष्ट्र में उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक प्रारंभिक बैठक की गई जिनके उच्च शुल्क दरों से प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही ऐसे क्षेत्रों को सहायता देने के तरीके तलाशे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया, हमने विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा करने, वैकल्पिक बाजारों की पहचान करने और प्रभावित उद्योगों की मदद के लिए उपाय सुझाने हेतु एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की सिफारिशों को लागू किया जाएगा।उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में हर क्षेत्र में दक्षता बढ़ाने के लिए डेटा केंद्रों की आवश्यकता है और महाराष्ट्र इस क्षेत्र में अग्रणी है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के निर्माण कार्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि काम तेजी से जारी है और यह तय समय पर पूरा हो जाएगा।

परियोजना के पूरे होने की संभावित तिथि के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा,नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर काम तेज गति से जारी है। मुझे लगता है कि हम इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा कर लेंगे।

विकास कार्य करते समय पर्यावरण की रक्षा करना जरूरीः उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, 13 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल के समग्र पुनरुद्धार के वास्ते एक अच्छा प्रस्ताव पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया और कहा कि राज्य सरकार को काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वन क्षेत्र को बहाल किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन पर्यावरण की रक्षा की जानी चाहिए।

पीठ ने मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद के लिए स्थगित करते हुए कहा, समय-समय पर न्यायालय कहता रहा है कि हम

विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह सतत विकास होना चाहिए।

विकास संबंधी गतिविधियां करते समय, पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए तथा क्षतिपूर्ति के उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यदि सरकार ऐसा कोई प्रस्ताव लेकर आती है तो हम उसका स्वागत करेंगे।

तेलंगाना सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रस्ताव पर समग्र रूप से विचार कर रही है, जिसमें पर्यावरण और वन्यजीवों के हितों को विकास कार्यों के साथ संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा था कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के निकट पेड़ों की कटाई प्रथम दृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। अदालत ने तेलंगाना सरकार से कहा था कि वह इसे बहाल करे अन्यथा उसके अधिकारियों को जेल हो सकती है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि यह सरकार पर निर्भर है कि वह जंगल को बहाल करे या अपने अधिकारियों को जेल भेजे। कांचा गाचीबोवली वनक्षेत्र में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए, उच्चतम न्यायालय ने तीन अप्रैल को अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था।

न्यायालय ने पेड़ों की कटाई के लिए जल्दबाजी में की गई कार्रवाई के लिए 16 अप्रैल को तेलंगाना सरकार को फटकार लगाई थी और निर्देश दिया था कि यदि वह चाहती है कि उसके मुख्य सचिव को किसी भी गंभीर कार्रवाई से बचाया जाए, तो उसे 100 एकड़ वन-रहित भूमि को बहाल करने के लिए एक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी।

भाजपा की कठपुतली बन गया है चुनाव आयोग, वोट चोरी के खिलाफ जयपुर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

जयपुर, 13 अगस्त। कांग्रेस ने बुधवार को राजस्थान के जयपुर में वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने इस रैली में हिस्सा लिया। गहलोत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उनके वोट चोरी के आरोप की जाँच के लिए हलफनामा मांगने पर चुनाव आयोग की आलोचना की। विरोध मार्च के दौरान गहलोत ने एएनआई से कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव, इन सभी लोगों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के

जरिए पूरे देश में यह संदेश दिया है कि वोट चोरी हो रहे हैं। राहुल गांधी ने भी आँकड़े दिए हैं, और चुनाव आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है। हमने ऐसा पहली बार देखा है।

गहलोत ने कहा कि जो हो रहा है वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है... बिहार में 60 लाख वोट काटे गए, लेकिन एक भी वोट नहीं जोड़ा गया... इसके खिलाफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विरोध प्रदर्शन कर रही है, जिसमें सभी लोग भाग ले रहे हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि देश की संवैधानिक संस्थाओं को खोखला करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज देश भर में वोटों में धांधली को लेकर सवाल उठ रहे हैं... चुनाव आयोग कोई जवाब नहीं दे रहा है... मुझे आश्चर्य है कि भाजपा चुनाव आयोग का बचाव करने के लिए आगे आ रही है। हमारी संवैधानिक संस्थाओं को खोखला करने की कोशिश की जा रही है।इस हफ़्ते की शुरूआत में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च निकाला और चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित हो जाएगा।

सुरेश रैना अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी एक अवैध सट्टेबाजी ऐप (1एक्सबेट) से जुड़ी जांच के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि 38 वर्षीय पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के जरिए इस ऐप से जुड़े हुए हैं।

हवा-पानी की आजादी के बिना आजादी अधूरी

-ललित गर्ग

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आजादी मतलब स्वस्थ हवा पाना है। हमारे आजादी को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आजादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आजादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आजादी मिली है?

आजादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ.झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज बनती जा रही है। ह्यहवा-पानी की आजादीह्न का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बबार्दी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है। दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार ह्यबहुत खराब या खतरनाक श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को जहरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-अब भी खरे हैं तालाब। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने अटल भूजल योजना, नल से जल और नदी पुनर्जीवन जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आजादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज सिर्फ.चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए। आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आजादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोजगारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेजी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आजादी है? आजादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आजादी ही जीवन की सच्ची आजादी है।

क्या है हनी ट्रैप क्यों आ रहे उससे राजनीतिक तूफान!

अशोक भाटिया

हनी ट्रैप एक बार फिर चर्चा में हैं. ऐसा इसलिए, क्योंकि कर्नाटक में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया था , जब कर्नाटक विधानसभा में मंत्री के. एन. राजन्ना ने खुलासा किया था कि राज्य में 48 लोग 'हनी ट्रैप' के जाल में फंस चुके हैं, जिनमें कई नेता भी शामिल हैं. इसके बाद कर्नाटक में कई दलों के विधायकों ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की राजनीति में 'हनी ट्रैप' एक हथियार के रूप में इस्तेमाल हो रहा है. महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब एक बड़े नेता ने दावा किया कि राज्य के 72 वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और पूर्व मंत्री हनी ट्रैप के जाल में फंस सकते हैं। नासिक दौरे पर आए इस राजनेता ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में यह चौंकाने वाली बात कही, जिससे सूबे के सियासी गलियारों में खलबली मच गई थी ।

गौरतलब है कि हम आजकल हनी ट्रैप की खबरों, घटनाओं, बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति, मानहानि के डर से आत्महत्या के बारे में सुनते और पढ़ते रहते हैं। इस लेख में, हम हनी ट्रैप के बारे में विस्तार से जानेंगे। हनी ट्रैप एक आकर्षक या आकर्षक व्यक्ति का उपयोग किसी अन्य व्यक्ति को फंसाने के लिए किया जाता है, संभवतः वह व्यक्ति जो उसे फंसाता है। यह उस व्यक्ति के लिए एक तरह का मानसिक और भावनात्मक जाल है जो फंसना चाहता है। आकर्षण, अंतरंगता, स्नेह या शारीरिक संबंधों के लालच के माध्यम से दूसरे व्यक्ति से धन, संपत्ति, गोपनीय जानकारी या अन्य व्यक्तिगत लाभ प्राप्त किए जाते हैं। दुनिया में पहली बार ह्यहनीट्रैपह्न शब्द का इस्तेमाल ब्रिटिश उपन्यासकार जॉन ली कैरी ने किया था। उन्होंने इस शब्द का इस्तेमाल अपने उपन्यास ह्यटिंकर टेलर सोल्जर स्पाईह्न (1974) में किया। इसके बाद से यह शब्द दुनिया की खुफिया एजेंसियों और मीडियाकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों में भी काफी पॉपुलर हो गया।इस तरह के ट्रैप में फंसने का सबसे बड़ा कारण मानवीय कमजोरियां, वलनरेबिलिटी या फिर मूर्खता होती है। और सच पूछिए तो इन सारी चीजों का पढ़ा-लिखा होने या किसी गंभीर, जिम्मेदार पद पर बैठे होने से कोई वास्ता नहीं है। हनी ट्रैप का शिकार वही होता है, जिसके पास या तो पैसा है या फिर इंफॉर्मेशन। यानी आपके पास कुछ ऐसा है, जो दूसरे व्यक्ति को चाहिए। वो सीधे तरीके से आपसे मांग नहीं सकता तो आपको अपने जाल में फंसाएगा, मजबूर करेगा।

प्राइवेट डिटेक्टिव संजीव देसवाल ने बताते है कि हनी ट्रैप एक पुराना खेल है, जिसका उपयोग 320 ईस्वी में राजाओं को जाल में फंसाने के लिए किया जाता था. हालांकि, समय के साथ इसका तरीका बदल गया है. पहले, राजाओं के विद्रोहियों को खत्म करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता था. लेकिन आज इसका उपयोग पैसे, ब्लैकमेलिंग, खुफिया एजेंसी से जानकारी निकालने, नेताओं से जानकारी हासिल करने और अन्य अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता है. सोशल मीडिया पर फेक प्रोफाइल के जरिए इसका खेल होता है, जहां लोगों को फंसाया जाता है और उनकी जानकारी हासिल की जाती है. अब सोशल मीडिया के युग में, इसकी प्रकृति बदल गई है और अब आम लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं। हनी ट्रैप विभिन्न कारणों से किया जाता है, कुछ मुख्य कारण दूसरे व्यक्ति को उसके निजी क्षणों, फोटो या वीडियो प्राप्त करके या उसके साथ रहते हुए यौन संबंध रखने के फोटो, वीडियो लेकर ब्लैकमेल करना है। हनी ट्रैप व्यक्ति विभिन्न रूपों का उपयोग करता है जैसे कि उसे उन चीजों को करने के लिए कहना जो वह नहीं करना चाहता है और फिर उसे रिकॉर्ड करने के लिए वीडियो कॉल के माध्यम से परेशान करता है। वित्तीय लाभ इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हनी ट्रैप का उपयोग उच्च पदों पर बैठे लोगों से धन, संपत्ति या अन्य वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए किया जाता है। एक बार यह ब्लैकमेल, सामाजिक मानहानि, कार्यस्थल, नौकरी हानि के सामने समझा जाता है। हमें डर है कि अगर ये फोटो और वीडियो समाज के बाहर वायरल हो गए तो क्या होगा। ऐसी तनावपूर्ण स्थिति में एक व्यक्ति को बार-बार धमकी दी जाती है और बड़ी रकम की मांग की जाती है। किसी व्यक्ति से गोपनीय जानकारी प्राप्त करना जैसे कि देश की सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त करना या देश की सुरक्षा से संबंधित अन्य गोपनीय जानकारी, कार्यालय की जानकारी, हनी ट्रैप के जरिए राजनीतिक हथकंड, बड़े सौदे, अहम फैसलों की जानकारी निकालना आसान है।

हनी ट्रैप का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करके या गलत निर्णय लेकर, महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णयों या विकास में हस्तक्षेप करने, राजनीतिक रुख बदलने, नेताओं या पार्टियों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है। राजनीतिक कार्यालय हासिल करने के लिए, राजनीति में आगे बढ़ने के लिए, उच्च रैंकिंग वाले नेताओं के करीब आने के लिए। उनके द्वारा काम करवाने के लिए हनी ट्रैप का इस्तेमाल किया जाता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका काम का क्षेत्र क्या है, आप हनी ट्रैप में नहीं फंसेंगे। सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। यहां तक कि युवा लड़के और लड़कियां और बुजुर्ग भी ऐसे जाल में फंस जाते हैं, इसलिए सावधान रहना जरूरी है चाहे आप कितने भी बड़े क्यों न हों। जब आप अध्ययन करते हैं कि पुरुष हनी ट्रैप में कैसे फंसते हैं, तो कुछ बिंदु सामने आते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आजकल हर कोई नियमित रूप से सोशल मीडिया, मोबाइल, लैपटॉप पर विभिन्न एप्लिकेशन और साइटों का उपयोग कर रहा है, कई नोटिफिकेशन। अक्सर, विभिन्न संदेश और लिंक डिजाइन किए जाते हैं ताकि आप उन्हें बिना जांचे खोलना चाहते हैं। उनका उपयोग सोशल मीडिया पर पुरुषों के साथ पहचान करने के लिए किया जाता है। परिचय फेसबुक, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकर्षक प्रोफाइल के माध्यम से किया जाता है। दूसरे व्यक्ति ने आपका विश्वास अर्जित किया है। एक बार जब यह महसूस हो जाता है, तो उनके सामने वाले व्यक्ति पर सोशल मीडिया चैट, साझा की गई फोटो, वीडियो और जानकारी का उपयोग करके दबाव डाला जाता है, जब किसी व्यक्ति ने भावनाओं में फिट होकर कोई आपत्ति या मांग उठाई है, तो उसे मोहरा बना दिया जाता है।

एक भावनात्मक संबंध बनाने से, व्यक्ति धीरे-धीरे आपके साथ घनिष्ठ संबंध बनाता है और आपका विश्वास जीतता है। फिर निजी जानकारी का आदान-प्रदान किया जाता है, जैसे कि दूसरा व्यक्ति आपसे आपके व्यक्तिगत जीवन के बारे में जानकारी लेता है, आपके सप्ताह, सुख, दुख, आदतों की पहचान करता है, और आपके करीब आने की कोशिश करता है, यहां तक कि आपके परिवार, घर, नौकरी आदि के बारे में भी ।उद्योग की दिन-प्रतिदिन की दिनचर्या की जानकारी भी छीन ली जाती है। एक अत्यधिक संवेदनशील मुद्दा हनी ट्रैप में फंसने की ओर ले जाता है। अक्सर कोई व्यक्ति वीडियो कॉल पर अश्लील बातचीत या कार्रवाई की मांग करता है। इन पलों को रिकॉर्ड किया जाता है और फिर ब्लैकमेलिंग शुरू हो जाती है। आपको भुगतान करने के लिए कहा जाता है, कुछ गोपनीय महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए कहा जाता है, या कोई भी काम करने के लिए मजबूर किया जाता है जो जोखिम भरा है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि हनी ट्रैप से बचने के लिए क्या करना चाहिए। इस जाल में गिरने से खुद को बचाने के लिए आप कुछ चीजें कर सकते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग करते समय अजनबियों से सावधान रहें। सोशल मीडिया पर अजनबियों से फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करते समय सावधान रहें, सत्यापित करें कि क्या कोई झूठी प्रोफाइल, झूठी जानकारी झूठी फोटो डालकर बनाई गई है या सत्यापित करें कि ऐसा व्यक्ति वास्तव में मौजूद है, वह कहां है, वह क्या करता है। सुंदर लड़कियों के इंटरनेट से फोटो का उपयोग करना, जो महिलाएं मौजूद नहीं हैं, उनका कोई संबंध नहीं है, इसे झूठे नामों का उपयोग करके विभिन्न अनुप्रयोगों पर रखा जाता है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो उस प्रोफाइल से निपटते हैं जो आपको हनी ट्रैप करने के लिए कई तरह से कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, आप कितने भी प्रलोभित या आकर्षित क्यों न हों, अपनी अंतरात्मा को जागृत रखते हुए सोशल मीडिया को संभालने की सलाह दी जाती है। अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी को न दें, अपने व्यक्तिगत जीवन और वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी किसी अजनबी के साथ साझा न करें। वीडियो कॉल पर अजनबियों के साथ निजी या अश्लील बातचीत से बचें। ऐसी स्थिति में कुछ भी आपत्तिजनक न करें। पैसे मांगने वालों से दूर रहें। अगर कोई आपसे अचानक पैसे या अन्य मदद मांगता है, अगर उसके इरादे सही नहीं लगते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं। ऐसे में पुलिस की मदद लेना बहुत जरूरी है। अगर कोई आपको ब्लैकमेल कर रहा है, तो डरें नहीं। तुरंत पुलिस को सूचित करें, कानून की मदद लें। यदि आपको संदेह है कि आप हनी ट्रैप की किसी भी स्थिति में फंस गए हैं, तो परिवार के सदस्य कार्रवाई करें। अगर आप अकेले हैं, सेक्शुअली डिप्राइव्ड हैं, आपको रिलेशनशिप की जरूरत है और आप बहुत डेसपेरेटली ये चीजें ढूंढ रहे हैं, तभी आपके इस तरह के हनी ट्रैप में फंसने के ज्यादा चांस हैं। इसलिए प्लीज, किसी काउंसलर से बात करें। अपनी समस्याएं शेयर करें। दुख और अकेलेपन के कारण फ्रॉड में न फंसे। अकेलेपन से उबरने का क्रिएटिव तरीका ढूंढें। दोस्तों और रिश्तेदारों की मदद लें, उन्हें विश्वास में लें, अपनी गलती स्वीकार करें, डर, गड़बड़ में गलत निर्णय लेने से बचें। ऐसे में आप पुलिस या साइबर सेल से संपर्क कर सकते हैं।

वैभव और वेदना के बीच झूलती आजादी

आज जब हम स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तिरंगे की शान में सिर ऊँचा कर रहे हैं, तब एक कड़वी सच्चाई हमारी सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर रही है, क्या यही वह आजादी थी, जिसका सपना हमारे शहीदों ने देखा था? ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत की जीडीपी का 18 फीसदी धन सिर्फ.पांच परिवारों के पास केंद्रित है। अगर इसमें बाकी सौ अरबपति परिवारों की संपत्ति भी जोड़ दी जाए, तो यह प्रतिशत और भी डरावना हो जाएगा। दूसरी तरफ, देश की आधी से अधिक आबादी रोज 375 रुपये से कम पर गुजर-बसर कर रही है। एक राष्ट्र का अमीर होना अच्छी बात है, लेकिन जब संसाधनों का बंटवारा असमान हो, तो यह विकास अराजकता की ओर ले जाता है। अगर सरकारी नीतियां केवल कुछ घरानों को लाभ पहुंचाएं और करोड़ों लोगों के घर में चूल्हा जलाना मुश्किल हो जाए, तो यह विकास नहीं, बल्कि असमानता का साम्राज्य है, और यह साम्राज्य लोकतंत्र और सामाजिक स्थिरता, दोनों के लिए खतरा है

-सुरेश गांधी

भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार न सिर्फ दुनिया में चर्चा का विषय है, बल्कि देश में भी आर्थिक विकास का ढोल पीटा जा रहा है, लेकिन इस शोर के बीच या यूं कहे विकास के पीछे एक गंभीर असमानता का सच छिपा है। आज केवल पांच भारतीय परिवार देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 18 फीसदी धन अपने पास रखते हैं। अगर बाकी सौ अरबपति परिवारों की संपत्ति जोड़ दी जाए, तो यह अनुपात और भी बढ़ जाएगा। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 1 फीसदी अमीरों के पास 40 फीसदी से अधिक राष्ट्रीय संपत्ति है, जबकि निचले 50 फीसदी के पास केवल 3 फीसदी. अमेरिका या यूरोप जैसे पूंजीवादी देशों में भी अमीर-गरीब का अंतर है, लेकिन भारत में यह अंतर रिकॉर्ड गति से बढ़ रहा है। खास तौर से तब जब मोदी सरकार का आर्थिक विकास मॉडल जीडीपी वृद्धि दर को लेकर दुनिया में सुर्खियां बटोर रहा है. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या यह वृद्धि देश के करोड़ों नागरिकों के जीवन में सुधार ला रही है? क्या यही है नया भारत का विकास मॉडल, जिसमें चंद घरानों के महल और बहुसंख्यकों के झोपड़े साथ-साथ खड़े हैं? जब नीति-निर्माण और कर-रियायतें केवल कुछ कॉरपोरेट घरानों को और ताकतवर बना दें, जबकि खेतों में किसान आत्महत्या करें और शहरों में मजदूर दिहाड़ी को तरसें, तो यह ह्यविकासह्न नहीं, आर्थिक अन्याय है।

मतलब साफ है स्वतंत्रता दिवस पर हमें सिर्फ तिरंगे को सलामी नहीं देनी चाहिए, बल्कि उस वादे को भी याद रखना चाहिए जो हमारे शहीदों ने किया था, एक न्यायपूर्ण, समान और सम्मानजनक भारत का निर्माण। वरना आने वाली पीढ़ियां हमसे पूछेंगी, क्या यही आजादी थी? बता दें, 2022 से 23 में भारत की शीर्ष 1 फीसदी आबादी का हिस्सा राष्ट्रीय आय में 22.6 फीसदी और संपत्ति में 40.1 फीसदी तक पहुंच गया है, यह इतिहास में सबसे ऊँचे स्तर पर। इसके पीछे ह्यबिलियोनैरीराजह्न बन चुका है, जहां चंद परिवार देश की आर्थिक धुरी बन गए हैं, और बाकी सौ करोड़ से अधिक नागरिकों को सिर्फ संघर्ष ही देखने को मिलता है। भारत की जीडीपी की चमकदार रफ्तार के पीछे एक सच्चाई छुपी है, जो आर्थिक असमानता के चरम को उजागर करती है। आज सिर्फ पांच भारतीय परिवार देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 18 फीसदी धन अपने पास रखते हैं। अगर इसमें सौ और अरबपति परिवारों की संपत्ति जोड़ दी जाए, तो यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो जाएगा। 1947 में हमें राजनीतिक आजादी मिली थी, विदेशी शासन से मुक्ति। लेकिन आर्थिक आजादी आज भी अधूरी है। आजादी का सही अर्थ है, ऐसा भारत, जिसमें हर नागरिक को समान अवसर, सम्मानजनक जीवन और अपनी मेहनत का न्यायसंगत फल मिले।

अगर सौ करोड़ भारतीय भूख और बेरोजगारी से जूझते रहें, और चंद परिवार अरबों-खरबों में खेलें, तो यह व्यवस्था सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ेगी। ऐसे में न सिर्फ संतुलित नीति का होना जरुरी है, बल्कि कर नीतियों में असमानता दूर हो, शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश बढ़े, श्रमिकों और किसानों के लिए न्यूनतम आय की गारंटी हो और संपत्ति के संकेंद्रण पर सख्त निगरानी हो. आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो प्रगतिशील कर प्रणाली (आय-कर और संपत्ति-कर) को मजबूत किया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण में सार्वजनिक निवेश बढ़ाया जाए। रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जाए ताकि जीडीपी की वृद्धि का लाभ हर वर्ग तक पहुंचे। इतिहासकार और अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत में असमानता का स्तर अब औपनिवेशिक ब्रिटिश राज के दौर से भी ज्यादा है। यह स्थिति ब्राजिल और दक्षिण अफ्रीका जैसे अत्यधिक असमान देशों की बराबरी कर रही है, जबकि अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी शीर्ष 1 फीसदी की हिस्सेदारी भारत से कम है। मतलब साफ है एक राष्ट्र का अमीर होना तभी मायने रखता है जब उसकी संपन्नता का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे। वरना यह विकास सिर्फ कुछ लोगों की तिजोरी भरने का साधन बन जाता है और लोकतंत्र के भीतर ह्यअसमानता का साम्राज्य पनपने लगता है, जो आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति, दोनों के लिए खतरनाक है।

भारत में असमानता का नया रिकॉर्ड

ह्यवर्ल्ड इनइक्वलिटी लैबह्न की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 से 23 में भारत की शीर्ष 1 फीसदी आबादी राष्ट्रीय आय का 22.6 फीसदी और राष्ट्रीय संपत्ति का 40.1 फीसदी अपने पास रखती है, जो इतिहास में सबसे ऊँचा स्तर और दुनिया के सबसे असमान देशों में से एक। वहीं, सबसे गरीब 50 फीसदी आबादी के हिस्से में राष्ट्रीय आय का मात्र 15 फीसदी और संपत्ति का 6 फीसदी हिस्सा आया। यह खाई पिछले तीन दशकों में लगातार चैड़ी होती गई है। इसका मतलब है कि शीर्ष 1 फीसदी का हिस्सा पांच गुना अधिक है, जबकि संपत्ति में विषमता और भी ज्यादा, उन्होंने कुल संपत्ति का लगभग 6.7 गुना हिस्सा संभाला है.

अंतर्राष्ट्रीय तुलना (2022 - 23)

भारत 22.6 40.1 (भारी केंद्रित)

ब्राजिल 10 फीसदी संपत्ति अधिक (85 फीसदी)

दक्षिण अफ्रीका अत्यधिक विषमता (टॉप 10 हिस्सेदारी)

अमेरिका - अन्य अपेक्षाकृत कम असमानता

भारत में शीर्ष 1 फीसदी की आय हिस्सेदारी दक्षिण अफ्रीका और ब्राजिल जैसे अत्यधिक असमान देशों का स्तर पार कर चुकी है, और संपत्ति की विषमता भी भयावह स्तर पर है।

पांच परिवारों का दबदबा

हुरान इंडिया मोस्ट वैलुएबुल फेमिली बिजनेस 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष 300 पारिवारिक व्यापारों की कुल संपत्ति 134 लाख करोड़ रुपये है, जो तुर्की और फिनलैंड की जीडीपी से अधिक है। इनमें सबसे अमीर अंबानी परिवार की संपत्ति 28.2 लाख रुपये करोड़ है, जो भारत की जीडीपी का लगभग एक बारहवां भाग है। या यूं कहे अडानी, बिड़ला, मित्तल और गोदरेज जैसे परिवार भी इस आर्थिक साम्राज्य के स्तंभ हैं। हालांकि यह सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि आर्थिक अन्याय का प्रमाणपत्र हैं, जो बताते हैं कि विकास का लाभ किस ओर जा रहा है।

1. बिलीयोनैरीज राज बनाम ब्रिटिश राज

यह विषमता भारत में अब सूबे के समय से भी अधिक बढ़ गयी है, अर्थात बिलियोनैरीराज अब ब्रिटिशराज से अधिक आर्थिक असमान और केन्द्रित हो गया है।

2. नीति-निर्माण के लिए दिशा

वैश्विक अध्ययन (वर्ल्ड इंक्वालिटी लैब) सुझाव देते हैं कि बेहतर आय-कर और संपत्ति-कर, साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा व पोषण में सार्वजनिक निवेश इस असमानता को घटाने में कारगर हो सकते हैं।

3. अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

भारत में तीन दशक में असमानता में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि संघर्षशील देशों जैसे चीन ने तुलनात्मक रूप से बेहतर वितरण नीति अपनाया है।

4. नागरिकों और विकास का ताना-बाना

जीडीपी की वृद्धि के बावजूद अगर इसका लाभ केवल कुछ परिवारों तक सीमित रहे, तो आम नागरिकों की असंतुष्टि बढ़ती है, जो सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता ला सकता है।

ब्रिटिशराज से भी आगे बिलीऔनैरीराज

अंतरराष्ट्रीय शोध बताते हैं कि आज भारत में आर्थिक असमानता का स्तर ब्रिटिश शासनकाल से भी ज्यादा है। ब्राजिल और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में भी असमानता अधिक है, लेकिन भारत का शीर्ष 1 फीसदी आय और संपत्ति हिस्सेदारी के मामले में उनसे मुकाबला कर रहा है। दुनिया के कई देशों ने कर सुधार और कल्याणकारी योजनाओं से असमानता को नियंत्रित किया, लेकिन भारत में यह और तेजी से बढ़ी है।

विकास का असंतुलन

मोदी सरकार का आर्थिक मॉडल जीडीपी वृद्धि को प्राथमिकता देता है, लेकिन यह वृद्धि असमान बंटवारे के साथ हो रही है। कुछ गिने-चुने घराने तो तेजी से अमीर हो रहे हैं, जबकि सौ करोड़ से ज्यादा लोग रोजी-रोटी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी और कुपोषण कायम है। शहरी गरीब महंगाई से जूझ रहे हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य की पहुंच सीमित है। ऐसे में, अगर सरकारी नीतियां केवल चंद उद्योगपतियों को ही फल-फूलने दें और सौ करोड़ लोगों के घर का चूल्हा मुश्किल से जले, तो यह आर्थिक विकास नहीं, बल्कि असमानता की मशीन है। वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में विकास का मतलब सिर्फ जीडीपी की बढ़ोतरी नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन में समान अवसर और सम्मान होना चाहिए। अगर भारत का आर्थिक मॉडल सिर्फ पाँच परिवारों को और अमीर बना रहा है और करोड़ों लोगों को और गरीबी में धकेल रहा है, तो यह बिनिलयोनैरीराज है, जो किसी भी समय सामाजिक विस्फोट और अराजकता को जन्म दे सकता है।

लोकतंत्र की लूट में मीडिया की बेशर्म भूमिका

-निर्मल रानी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चुनाव के दौरान होने वाली व्यापक धांधलियों को लेकर चुनाव आयोग पर जोरदार हमला बोला गया है। उन्होंने इस तरह के अनेक प्रमाण पेश किये जिससे यह साफतौर पर साबित होता है कि देश में बड़े स्तर पर वोटों की चोरी की जा रही है। राहुल गांधी द्वारा 7 अगस्त 2025 को वोट चोरी से सम्बंधित एक विशाल प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बाद https://votechori.in नाम से एक वेबसाइट लांच की गयी तथा साथ ही यूजर मिस्ड कॉल हेतु 9650003420 नंबर भी घोषित किया गया। इस नंबर या वेबसाइट पर जाकर देश के आम लोग फॉर्म भरकर इस अभियान से जुड़ सकते हैं। यह अभियान मुख्य रूप से भारतीय चुनावों में मतदाता सूची में हेराफेरी, फर्जी वोटर्स और चुनाव आयोग की कथित मिलीभगत पर केंद्रित है। वेबसाइट का मुख्य लक्ष्य जनता को ₹वोट चोरी₹ के खिलाफ एकजुट करना है। इसमें चुनाव आयोग से डिजिटल मतदाता सूचियों को सार्वजनिक करने की मांग की गई है, ताकि जनता और राजनीतिक दल इनकी जांच कर सकें।राहुल गांधी का सीधा आरोप है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी चुनावी प्रक्रिया पर व्यवस्थित तरीके से हमला कर रही है, और चुनाव आयोग इसमें शामिल है। सत्ता व चुनाव आयोग का यह गठजोड़ ₹एक व्यक्ति, एक वोटर₹ के सिद्धांत को कमजोर कर रहा है। चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने के बाद बजाये इसके कि वह राहुल गांधी के आरोपों की जांच करने की बात करता और देश के मतदाताओं को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करता कि देश में चुनाव निष्पक्ष संपन्न होते हैं। उल्टे चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट ही बंद कर दी ? क्या ऐसा इसलिये नहीं किया गया कि मतदाता चुनाव आयोग से ऐसी धांधलियों के सम्बन्ध में सवाल न पूछ सकें ? जिसका जवाब दे पाना शायद अब चुनाव आयोग के लिये संभव नहीं ? चुनाव आयोग द्वारा 'वोट चोरी ' से सम्बंधित धांधलियों से चूँकि फायदा भाजपा को मिला है और उसी की सत्ता में बार बार वापसी हो रही है इसलिये भाजपा का चुनाव आयोग के पक्ष में दलीलें देना और चुनाव आयोग के बजाये राहुल गाँधी को ही कटघरे में खड़ा करना अनैतिक परन्तु कुछ स्वाभाविक सा प्रतीत होता है। परंतु जिस तरह देश का गोदी मीडिया भी वोट चोरी के इस 'भ्रष्ट तंत्र ' के साथ खुलकर खड़ा है और चुनाव आयोग व भाजपा से भी अधिक बढ़कर वोट चोरी जैसे इस घोर राष्ट्रविरोधी कृत्य की पैरोकारी कर रहा है उसे देखकर देश आश्चर्यचकित हो रहा है।

राहुल गांधी द्वारा वोटर लिस्ट के माध्यम से की जा रही 'अंधाधुंध वोट चोरी ' के आरोपों के बाद इंडियन एक्सप्रेस की टीम ने इस मामले की पड़ताल के लिए बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली महादेवपुरा विधानसभा के कुछ इलाकों का दौरा किया। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने 7 अगस्त 2025 को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया था कि महादेवपुरा विधानसभा के अंतर्गत कुछ क्षेत्रों में 1,00,250 वोटों की चोरी हुई, जिसमें डुप्लीकेट वोटर्स, फर्जी पते, और अन्य अनियमितताएं शामिल थीं। इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि उनकी टीम ने महादेवपुरा के कुछ पतों की जांच की, जहां राहुल गांधी ने फर्जी वोटरों के होने का दावा किया था। उदाहरण के लिए, एक मामले में 80 वोटरों के एक ही पते पर रजिस्ट्रेशन होने की बात सामने आई थी। इसके अतिरिक्त, बीबीसी व अन्य मीडिया संगठनों की टीम ने भी महादेवपुरा क्षेत्र में उस घर की पड़ताल की, जहां एक कमरे के मकान में कथित तौर पर 80 वोटर रजिस्टर्ड थे।

परन्तु भाजपा व चुनाव आयोग के साथ 'गोदी मीडिया ' भी कदम ताल कर रहा है। इसका कारण किसी विपक्षी नेता या गोदी मीडिया के आलोचकों ने नहीं बल्कि स्वयं गोदी मीडिया के ही एक अहम पत्रकार सुमित अवस्थी ने अपने एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में यह बता ही दिया कि भारतीय मीडिया को ₹गोदी मीडिया₹ क्यों कहा जाता है। सुमित अवस्थी ने बताया कि भारतीय मीडिया को ₹गोदी मीडिया₹ इसलिए कहा जाता है क्योंकि 'न्यूज चैनल और मीडिया संस्थान अपनी आय के लिए सरकार से मिलने वाले विज्ञापनों पर बहुत हद तक निर्भर हैं'। उन्होंने कहा कि 'टीवी चैनलों की आय का 70-80% हिस्सा सरकारी विज्ञापनों से आता है, जिसके कारण मीडिया सत्ता के खिलाफ खुलकर बोलने में हिचकता है'। अवस्थी के अनुसार, 'यह आर्थिक निर्भरता मीडिया को मजबूरी में ₹गोदी मीडिया₹ बनाती है, क्योंकि सवाल उठाने की आजादी सीमित हो जाती है। अवस्थी ने ही यह भी स्वीकार किया कि सत्ताधारी दल विज्ञापनों के माध्यम से चैनल मालिकों पर दबाव बनाते हैं, जिससे पत्रकारिता की निष्पक्षता प्रभावित होती है।' तो सवाल यह है कि क्या 2014 से पहले भी मीडिया सरकार का ऐसा ही भोंपू था जैसा आज है ? क्या उस समय इन मीडिया घरानों को विज्ञापन का लालच नहीं था ? याद कीजिए उस अन्ना आंदोलन का दौर जिसके कंधे पर सवार होकर भाजपा आज सत्तारूढ़ है।

भिवंडी मनपा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन मनपा मुख्यालय से मनपा के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुरू की गयी और स्व.आनंद दिघे चौक होते हुये हसीन टाकीज पुरानी महानगरपालिका होते हुये पुनः मनपा मुख्यालय पर समापन किया गया। बतादें कि केंद्र सरकार के निदेर्शानुसार राज्य सरकार द्वारा 2 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है जिसके के तहत बुधवार सुबह भिवंडी मनपा द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मनपा मुख्यालय से खेल विभाग द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा का उद्घाटन अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारे लगाकर हर घर तिरंगा अभियान के बारे में जागरूकता पैदा की गई। इस रैली में भिवंडी शहर के 16 माध्यमिक विद्यालयों के 550 छात्र और मनपा कर्मचारी शामिल हुए। स्कूली छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय नायकों की वेशभूषा में भाग लिया, जबकि कुछ छात्रों ने लेजिम के माध्यम से विभिन्न खेलों का प्रदर्शन करके राष्ट्रीय भावनाएँ जगाईं। इस पहल में उपायुक्त मुख्यालय विक्रम दराडे, सहायक आयुक्त (क्रीड़ा) नितिन पाटिल, वार्ड समिति के सहायक आयुक्त, उद्यान विभाग के अधीक्षक नीलेश संखे, शिक्षा विभाग के प्रशासनाधिकारी उमेश संभारी, क्रीड़ा विभाग के प्रमुख मिलिंद पलसुले, क्रीड़ा अधिकारी शरद कलावंत सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को भारत के विकास और प्रगति के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलाई गई।

वसई-विरार में बीवीए को झटकाः पूर्व नगरसेवक महेश पाटिल सैकड़ों कार्यकताओं के साथ बीजेपी में शामिल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार ज़िले की राजनीति में एक बड़ा फेरबदल देखने को मिला जब बहुजन विकास अघाड़ी श के पूर्व नगरसेवक महेश पाटिल ने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। यह प्रवेश समारोह मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय में आयोजित किया गया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, विधायक स्नेहा दुबे, और भाजपा ज़िला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।भाजपा में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में राजेश ठाकुर, सविता ठाकुर, रवि पाटिल, राजेश पाटिल, दिलीप भोईर, हर्ष म्हात्रे, एडवोकेट धवल चोरगे, एडवोकेट जन्मेजय प्रजापति और संदीप फाटक शामिल हैं।बताया गया कि महेश पाटिल पिछले कुछ समय से भाजपा के संपर्क में थे और विधायक राजन नाइक तथा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल के माध्यम से यह प्रवेश संपन्न हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने नए कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि ह्रइन सभी के जुड़ने से भाजपा को वसई-विरार क्षेत्र में नई मजबूती मिलेगी। समारोह में भाजपा के कई पदाधिकारी, जैसे प्रदेश महासचिव माधवी ताई नाइक, विधायक प्रसाद लाड, पूर्व ज़िला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, वरिष्ठ नेता श्याम पाटकर, वसई विधानसभा अध्यक्ष मनोज पाटिल, और ज़िला महासचिव मनोज बारोट सहित अनेक नेता उपस्थित रहे।

पालघर जिले के एसपी यतीश देशमुख विशेष सेवा पदक से हुए सम्मानित

पालघर (उत्तरशक्ति)। गढ़चिरोली जैसे अति संवेदनशील और नक्सली प्रभावित जिले में अपने साहसिक नेतृत्व और उत्कृष्ट सेवा का लोहा मनवाने वाले पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख (भा० पो ० से ०) को महाराष्ट्र पुलिस की ओर से श्विशेष सेवा पदक से सम्मानित किया गया । यह सम्मान उन्हें मंगलवार को 12 अगस्त 2025 को महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक श्रीमती रश्मि शुक्ला द्वारा प्रदान किया गया । सम्मान पत्र में उल्लेख किया गया है कि देशमुख ने गढ़चिरोली में अपने 2. 5 वर्ष के कार्यकाल में नक्सली गतिविधियों पर नकेल कसते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया और आमजन मानस में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाया, इस अवध में नक्सल प्रभावित इलाकों में हिंसक घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई और कई बड़े अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुए । पालघर पुलिस दल, जिले के प्रतिनिधियों और नागरिकों ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए देशमुख को बधाई दी है । पुलिस विभाग का कहना है कि यह सम्मान न केवल एक अधिकारी का साहस का प्रतीक है बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का अवसर है ।

चिंचोटी-भिवंडी मार्ग की मरम्मत के लिए स्नेहा दुबे की मंत्री से बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के नेतृत्व में लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले के साथ मंत्रालय में चिंचोटी-भिवंडी सड़क की मरम्मत और पुनर्निर्माण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्री ने अधिकारियों को दो दिनों के भीतर सड़क मरम्मत का कार्य प्रारंभ करने का स्पष्ट निर्देश दिया और कंक्रीटिंग के माध्यम से पुनर्निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। चूंकि मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में लंबित है, मंत्री ने आवश्यक कानूनी अनुमति जल्द प्राप्त कर कार्य में गति लाने के आदेश दिए। इस सकारात्मक पहल के लिए मंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया गया। वसई की जनता की समस्याओं के समाधान हेतु संकल्प दोहराया गया। बैठक में भाजपा वसई-विरार शहर जिला उपाध्यक्ष राजू म्हात्रे, जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत वाघमारे, संदीप पाटिल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेवा, श्रद्धा और समाजिक समर्पण के साथ मनाया गया राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा का जन्मदिन बोईसर के अवधनगर स्थित दुगार्माता मंदिर में भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन केवल एक पारंपरिक समारोह नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, समाज सेवा और जनभागीदारी का अनुपम उदाहरण बन गया।

कार्यक्रम की शुरूआत माता दुर्गा की पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। मिश्रा ने भारत माता की प्रतिमा तथा अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी देवस्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज एवं ब्राम्हलीन श्री 1008 श्री

सारखंडी जी महाराज की प्रतिमाओं का पूजन कर आशीर्वाद लिया। मंच पर एल मिश्रा का पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण और स्मृति-चिन्हों से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, महिला संगठन की प्रतिनिधियाँ, पत्रकार, व्यापारी वर्ग, वरिष्ठ नागरिक और युवा मौजूद रहे। सभी ने उन्हें दीघार्यु, स्वस्थ और सफल जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

अपने जन्मदिवस को समाजसेवा से जोड़ते हुए दयाराम मिश्रा ने लगभग 300 महिलाओं को साड़ी वितरण किया। यह कार्य केवल उपहार नहीं, बल्कि सम्मान और स्नेह का प्रतीक बन गया। साथ ही, उपस्थित जनसमूह के लिए प्रसाद एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी, जिसमें स्वयंसेवकों ने सेवा भाव से सहभागिता निभाई। समारोह में वक्ताओं ने श्री मिश्रा के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने आयोग को एक सशक्त और प्रभावशाली मंच के रूप में स्थापित किया है, जो देशभर में जरूरतमंदों की आवाज बना है। इस मौके अपने संबोधन में दयाराम मिश्रा ने कहा कि ह्लयह दिन केवल मेरा नहीं, समाज के प्रति सेवा भावना और समर्पण का पर्व है। जीवन का हर पल मानवता और अधिकारों की रक्षा को समर्पित है ।ह्व कार्यक्रम स्थल को फूलों, दीपों और तिरंगे झंडों से सजाया गया था। महिला मंडलों द्वारा भजन गायन और युवाओं द्वारा सेवा कार्य ने आयोजन को ऊजार्वान और प्रेरणादायक बना दिया। अंत में, समस्त उपस्थित जनसमूह ने भारत माता की जय, माता रानी की जय के जयघोष और राष्ट्रगान के साथ इस विशेष आयोजन का समापन किया। यह समारोह सिर्फ जन्मदिन नहीं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और समाजसेवी नेतृत्व की झलक थी, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनकर उभरेगा।

भाजपा वसई-विरार और महाराणा प्रताप स्मारक समिति द्वारा नालासोपारा में भव्य दहीहांडी का आयोजन

विरार (उत्तरशक्ति)। भाजपा वसई-विरार एवं महाराणा प्रताप स्मारक समिति द्वारा इस वर्ष दहीहांडी उत्सव 2025 का विस्तार करते हुए पहली बार नालासोपारा-नीलगांव क्षेत्र में भी इसका आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन शनिवार, 16 अगस्त को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक यशवंत गौरव कॉम्प्लेक्स (काशी विश्वनाथ मंदिर, सुंदरम प्लाजा के सामने) में होगा। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सावरा, विधायक राजन नाइक और जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भाजपा नेता मनोज पाटिल ने बताया कि अब तक वसई, मानिकपुर और पंचवटी में आयोजित हो रहे इस उत्सव को लोगों का भरपूर सहयोग और समर्थन मिला है। इसी प्रेरणा से इस बार नालासोपारा में भी आयोजन किया जा रहा है। उत्सव को और रंगारंग बनाने के लिए लावणी और कोली नृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही गोविंदा टोलियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जमीन पर चटाइयाँ बिछाई जाएँगी, ताकि ह्यूमन पिरामिड बनाते समय किसी को चोट न पहुँचे। इस वर्ष दहीहांडी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के लिए कुल 1,11,111 का पुरस्कार रखा गया है। मनोज पाटिल ने सभी स्थानीय नागरिकों व गोविंदा टोलियों से इस भव्य उत्सव में भाग लेने और आयोजन की रौनक बढ़ाने की अपील की है।

गुरु पंडित अजय चक्रवर्ती अब राज्य के युवा और नवोदित कलाकारों को देंगे कंठ संगीत का मार्गदर्शन

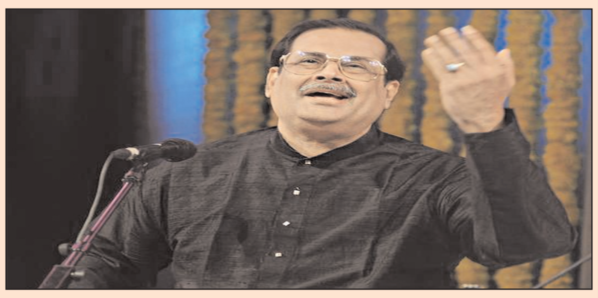

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय शास्त्रीय संगीत परंपरा में गुरुमुखी विद्या का महत्व अतुलनीय माना जाता है। गुरु के सामने बैठकर प्रत्यक्ष तालीम लेना, कंठ संगीत की (शास्त्रीय गायन) सबसे उत्तम साधना है। लेकिन आधुनिक समय की तेज रफ़्तार, जगह और समय की सीमाएं, तथा प्रतिस्पर्धी माहौल के बीच अब संगीत साधकों के लिए शास्त्रीय गायन का एक अनोखा अवसर उपलब्ध हो रहा है। श्रुतीनंदन प्रशिक्षण वर्गों के अंतर्गत, स्वयं विकसित की गई एक विशेष प्रशिक्षण शैली और वह भी सीधे उसी शैली के प्रवर्तक से सीखने का सुनहरा मौका अब राज्य के कंठसंगीत के विद्यार्थियों को मिलने जा रहा है। प्रसिद्ध गायक, गुरु, विचारक और प्रशिक्षक, पद्मभूषण पंडित अजय चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में सीखने का यह अवसर अब राज्य के युवा और नवोदित कलाकारों के लिए उपलब्ध है, और यह भी विशेष कि यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। इस पहल में टाटा समूह का सहयोग भी प्राप्त हुआ है। इस बारे में जानकारी देते हुए गुरु पं. अजय चक्रवर्ती ने कहा, भारतीय शास्त्रीय गायन की साधना करने वाले विद्यार्थियों में से चुनिंदा प्रतिभाओं को सफल और गुणवान पेशेवर कलाकार के रूप में तैयार करना ही इस विशेष प्रशिक्षण का उद्देश्य है। महाराष्ट्र में कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं, और मुझे विश्वास है कि मेरी विकसित विशेष प्रशिक्षण पद्धति से इन युवा प्रतिभाओं को नया उभार मिलेगा और वे संगीत जगत में स्थापित परफॉर्मर बनेंगे। उन्होंने आगे बताया कि श्रुतीनंदन प्रशिक्षण में स्वर, गायकी, लय, ताल, आवाज की देखभाल और उसे बनाए रखने के उपाय, तथा कई अन्य विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

जीवन एक संघर्ष है कभी घबराना नही चाहिये : कमलेश राय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लाड़ली बहना सम्मान एवं रक्षाबंधन मिलन समारोह को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे गुट के उपनेता कमलेश राय ने कहा कि जीवन एक संघर्ष है इससे कभी घबराना नही चाहिये। उक्त बातें राय द्वारा मरोल के स्नाबिल हाल अंधेरी पूर्व में सोमवार की शाम आयोजित कार्यक्रम में कही गई। उन्होंने कहा कि हमारे साथ कुछ घटनायें जरूर घटी परंतु आज यहां हजारों बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर यह साबित कर दिया कि जो अपनापन आशीर्वाद मुझे मिला वह पहले की अपेक्षाकृत अधिक हैं। और यही हमारी तीस वर्षो की समाजसेवा का प्रतिफल है जिससे आज मैं गदगद हूँ। और इसी तरह सबकी सेवा जीवन की आखिरी सांस तक हमेशा करता रहूंगा।और राय परिवार आप सबके लिए सदैव समर्पण की भावना से समर्पित रहेगा।

इस मौके पर स्थानीय विधायक मुरजी पटेल ने कहा कि कमलेश राय हमारे भाई तो युवा नेता रितेश राय बेटा जैसे हैं। पटेल ने आगे कहा नगरसेविका सुषमा राय ने वार्ड के लोगों की जो सेवा की है उसे कभी भुलाया नही जा सकता है।और आप सब ने सांसद और विधायक बनाया अब उसी तरह नगरसेवक बनाने की भी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी। रितेश राय के जैसा समर्पित युवा नेता मिलना इस वार्ड का सौभाग्य है। अंत में सुषमा राय ने सांसद रविन्द्र वायकर की धर्मपत्नी का स्वागत किया और सभी के प्रति आभार प्रकट किया। हजारों की संख्या में मौजूद लाड़ली बहनों ने कमलेश राय, मुरजी पटेल व रितेश राय को राखी बांधकर अभिनंदन किया। और सुषमा राय द्वारा सभी बहनों को उपहार भी भेंट किया

अटल सेवा केंद्र द्वारा निःशुल्क स्तन कैंसर जांच शिविर, 30 महिलाओं की जांच

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अटल सेवा केंद्र ने नाना पालकर स्मृति समिति के सहयोग से अंधेरी (पूर्व) के कोलडोंगरी-सहार रोड स्थित संस्था कार्यालय के बाहर निःशुल्क स्तन कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में 25 से 70 वर्ष आयु वर्ग की 30 महिलाओं की नॉन-कॉन्टेक्ट लेजर पद्धति से जांच की गई, जिसमें किसी भी महिला में कैंसर के लक्षण नहीं पाए गए।अटल सेवा केंद्र के संचालक व पूर्व नगरसेवक अभिजीत सामंत ने बताया कि आर्थिक तंगी और जागरूकता की कमी के कारण कई महिलाएं समय पर कैंसर की जांच नहीं करा पातीं, जिससे वे गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाती हैं। इसी संवेदनशीलता के मद्देनजर यह शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी 24 अगस्त को केंद्र पर महिलाओं के सहायतार्थ पुनः शिविर का आयोजन होगा।शिविर में नाना पालकर स्मृति समिति के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं दीं। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक मुरजी काका पटेल ने कार्यक्रम आयोजक पूर्व नगरसेवक अभिजीत सामंत की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सहायता हेतु ऐसे आयोजन वास्तव में पुण्य कार्य होते हैं, जिसे व्यापक स्तर पर आयोजित करना चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता सुमंत घैसास ने भी शिविर के संयोजक अभिजीत सामंत के इस कार्य की सराहना कर धन्यवाद दिया। शिविर के सफल आयोजन में अंजलि सामंत, वैशाली पांचाल, संगीता गुप्ता, श्रुति गुरव, सुरेखा सरोज और मीना सलागरे का सराहनीय योगदान रहा।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के गौरक्षकों ने भैंस के 14 बछड़ों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की गौसेवा टीम ने एक सराहनीय कार्य करते हुए गौतस्करों के चंगुल से 14 बेजुबान भैंस के बछड़ों को मौत के मुंह में जाने से बचा लिया। यह साहसी अभियान सोमवार रात करीब 8 बजे शुरू हुआ जब संगठन को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि कुछ गौतस्कर वानगांव क्षेत्र से भैंस के बछड़ों को भरकर मुंबई की ओर ले जा रहे हैं, जहां उन्हें कथित रूप से कत्लखाने में ले जाया जाना था।

सूचना मिलते ही पालघर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेदाड़े के नेतृत्व में गौसेवा उपप्रमुख भीम गडवी और पालघर तहसील गौसेवा प्रमुख शुभम ठाकुर सहित गौरक्षक दल सक्रिय हो गया। टीम ने बिना समय गंवाए गौतस्करों का पीछा किया, जो उन्हें अक्करपाटी के घने जंगलों तक ले गया। फिल्मी अंदाज में हुई इस कार्रवाई में गौरक्षकों ने साहसिक प्रयास करते हुए गौतस्करों को धर दबोचा।

जब्त की गई गाड़ी से 14 मासूम भैंस के बछड़ों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके पश्चात वाहन सहित पूरे मामले की रिपोर्ट पाचमार्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई। सभी बचाए गए जानवरों को पास की 'मान की गौशाला' में रखा गया, जहां उन्हें भोजन और पानी की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। इस पूरी घटना को लेकर स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की गौरक्षा टीम की जमकर प्रशंसा की है।

कुणबी समाज द्वारा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुणबी समाज विकास संघ द्वारा एक प्रेरणादायक पहल के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को मनपा शाला, गौशाला रोड, मुलुंड (पश्चिम) में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनायक घानेकर ने की। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में समाज के 112 युवाझ्रयुवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया, जो समाजसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। समारोह में समाज के 40 मेधावी विद्यार्थियों को प्रमुख अतिथियों के हाथों पुरस्कार एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष, युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), राजोल संजय पाटील (नेता, युवा सेना), एवं समाजसेविका श्रीमती रुपाली पंकज सूबेदार थे। इस आयोजन को सफल बनाने में कुणबी युवा मंडल, महिला मंडल एवं वर-वधु सूचक मंडल के सभी पदाधिकारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। यह आयोजन समाज में शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने का एक सराहनीय प्रयास साबित हुआ।

कुणबी समाज द्वारा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं रक्तदान शिविर संपन्न

मुंबई। कुणबी समाज विकास संघ द्वारा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं रक्तदान शिविर का आयोजन मनपा शाला, गौशाला रोड़, मुलुंड प. पर किया गया। समारोह की अध्यक्षता विनायक घानेकर ने किया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में 112 युवाओं, युवतियों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर समाज के 40 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन)। राजोल संजय पाटील (युवा सेना नेता), समाजसेविका रुपाली पंकज सूबेदार ने पुरस्कार, सम्मान पत्र देकर किया। समारोह के आयोजन में कुणबी युवा मंडल, महिला मंडल, वर वधु सूचक मंडल के सभी पदाधिकारियों का भरपूर सहयोग मिला।

विष्णु भाई धोडी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई बोरीवली पश्चिम में धोडिया आदिवासी युवक मंडळ के अध्यक्ष माननीय श्री विष्णू भाई धोडी के जन्मदिवस बड़े ही हरसूउल्लास से मनाया गया, इस अवसर पर बधाई देते हुए मंडल के सचिव हरीश भाई नाईक, संजय पटेल, अश्विन धोडी, सुनील भाई धोडी, रामजी यादव, पत्रकार भास्कर वल्लाकाठी, ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिला प्रशासन के तत्वाधान में निकाली गयी भव्य एवं ऐतिहासिक रैली

यात्रा के दौरान राष्ट्रभक्ति के नारे लगाकर दिया गया एकता का संन्देश

* आंधी हो या तूफान हम करेंगे वीरों का सम्मान : जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।जिसके क्रम में आज जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ के संयुक्त नेतृत्व में अधिकारियों, कर्मचारियों पुलिस बल के जवानों, छात्र छात्राओं, शिक्षकगणों सहित आमजनमानस की उपस्थिति मे पुलिस लाइन से उत्साहपूर्वक ऐतिहासिक और भव्य तिरंगा रैली निकाली गई रैली पुलिस लाइन से होते हुए। लाइन बाजार, गांधी तिराहा, अंबेडकर तिराहा, कलेक्ट्रेट परिसर, जोगियापुर, सद्भावना पुल होते हुए शाही किले पर जाकर समाप्त हुई। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गांधी तिराहे पर महात्मा गांधी और अंबेडकर तिराहे पर अंबेडकर जी की प्रतिमा पर तथा कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर क्रान्ति स्तंभ और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा और शहीद स्तंभ पर माल्यार्पण किया। यात्रा के दौरान रैली में उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज लेकर भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा का नारा लगाते हुए देश भक्ति और एकता का सन्देश दिया। रैली में एनसीसी कैडेट और स्काउट गाइड, टी0डी0 कालेज, बी0आर0पी इन्टर कालेज, मोहम्मद हसन पीजी कालेज, जनक कुमारी इन्टर कालेज, नेहरू बालोद्यान इन्टर कालेज, हरिहर सिंह इन्टर कालेज, रजा डीएम शिया इन्टर कालेज सहित अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक झांकी भी निकाली। यात्रा के दौरान बारिश के बावजूद भी छात्र छात्राओं को उत्साह कम नही हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शिराजे हिंद के जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, प्यारे बच्चों और नागरिकों ने इस पंक्ति को चरितार्थ कर दिया कि आंधी हो या तूफान हम करेंगे वीरों का सम्मान।सभी लोगों ने भारी बरसात के बीच आज इतनी बड़ी रैली निकालकर दिखा दिया कि हम सब एक है और इस रैली के माध्यम से हाथ मे तिरंगा लेकर आज हम सब ने वीर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, वीर सपूतों को नमन किया जिन्होने हमें आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। शाही किले में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जिलाधिकारी ने रैली में सम्मिलित हुए समस्त गणमान्य लोग और पत्रकार बन्धुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और हर घर अभियान अंतर्गत अपने अपने घरों पर तिरंगा प्रदर्शित करने की अपील भी की। रैली में समूह की महिलाओं, किसानों, शिक्षकगणों और आमजन ने भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्या, जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्टेट इन्द्र नन्दन सिंह, उपजिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, परियोजना निदेशक के.के. पांडेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, पर्यटन सूचना अधिकारी मीनाक्षी यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर में यात्री बस और ट्रक में टक्कर, पांच की मौत, 18 घायल

तीन की हालत नाजुक रेफर किया गया वाराणसी

डॉ.इम्तियाज अहमद/ मो. आसिफ सिद्दीकी

गुरैनी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी से शाहगंज जा रही एक यात्री बस और जौनपुर की ओर आ रहे एक ट्रक के बीच मंगलवार की रात्रि भीषण टक्कर हो गई। हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है जिनमें एक दो वर्षीय बच्चा, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। हादसा जौनपुर अयोध्या धाम मार्ग निकट गुरैनी इंडियन पेट्रोल पम्प के पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में लगभग 25 से 30 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है कि बस चालक की लापरवाही के चलते बस दाहिनी ओर चली गई और सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। दोनों वाहनों का बायां हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पहुचकर जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक घायलों का हाल चाल जाना किसी तरह को इलाज में कोई लापरवाही ना होने पाए इसके लिए जिला अधिकारी आदेश दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बस चालक की गलती सामने आ रही है। मृतकों की पहचान की जा रही है और उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। पूनम विश्वकर्मा (26) पत्नी बृजेश, प्रियल (2) पुत्री बृजेश, निवासीगण निजामपुर थाना शाहगंज (जौनपुर), गेना देवी (56) पत्नी इंदल, निवासी गोधना थाना पवई (आजमगढ़), देवी प्रसाद (35) पुत्र हरिहर प्रसाद, निवासी पटैला थाना खुटहन (जौनपुर), रतनलाल (54) पुत्र स्व. रामहरख निवासी खलीलपुर थाना खेतासराय (जौनपुर) की मौत हो गई है। मृतका पूनम विश्वकर्मा के ससुर प्यारेलाल, निवासी निजामपुर थाना शाहगंज बस नं. वह64छळ8691 नाम-पता अज्ञात को पंजीकृत कर मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं घायलों का इलाज सदर अस्पताल जौनपुर में चल रहा था।

शाहगंज पुलिस ने तीन जुआरियों को पकड़ा सात बाइक जब्त

फड़ में रखे 1200 रुपये जामा तलाशी से 550 रुपए बरामद

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के फैजाबाद रोड कपिला पशु आहार संजय सिंह के मकान के पीछे पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुए के फड़ पर छापेमारी की। इस छापेमारी में पुलिस ने फड़ रुपए 1200 एवं सात बाइक जब्त किया। एवं मौके से तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर अन्य व्यक्ति भाग गए। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। मुखबिर की सूचना पर शाहगंज कोतवाल दीपेंद्र सिंह उप निरीक्षक प्रशान्त कुमार सिंह उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने अपने दल के साथ कपिला पशु आहार संजय सिंह के मकान के पीछे फैजाबाद रोड पर छापेमारी की। मौके पर पुलिस ने जुए का खेल होता पाया और सभी तीन जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। फड़ पर 1200 रुपये की राशि पड़ी थी जबकि जामा तलाशी के दौरान 550 रुपए, ताश के पत्ते बरामद किए गए। इसके अलावा, पुलिस ने सात बाइक भी जब्त किए। पुलिस ने तीन जुआरियों को पकड़ा गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर पुलिस ने सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत थाना शाहगंज में मुकदमा पंजीकृत किया। गिरफ्तार आरोपी सोनू अग्रहरी पुत्र उमाकांत निवासी चूड़ी मोहल्ला, विनोद कुमार पुत्र रामबचन निवासी पुरानी बाजार शाहगंज, मोसीन पुत्र सलमान निवासी एराकियाना शाहगंज जनपद जौनपुर व अन्य व्यक्तियों के पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही किया गया। कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि सभी जुआरियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

रात में पत्नी से झगड़ा, सुबह लटकती मिली पति की लाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के फत्तूपुर कला गांव में पत्नी से झगड़ा होने के बाद पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । घटना की जानकारी सुबह लोगों को हो सकी ।फत्तूपुर कला निवासी कृपा शंकर यादव (48)काम के सिलसिले में 15 दिन पूर्व दिल्ली गए हुए थे । सोमवार को वह दिल्ली से वापस अपने घर आ गए। मंगलवार की रात किसी बात को लेकर पत्नी दुर्गावती से जमकर झगड़ा हुआ था। सुबह कृपा शंकर की लाश अपने ही घर पर लटकता हुआ मिला। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो परेशान हो गए दरवाजा बंद था। खिड़की खोलकर लोगों ने देखा तो उनकी लाश रस्सी के सहारे लटक रही थी। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर चौकी इंचार्ज सतहरिया गंगा सागर मिश्रा मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतरवाने लगे लेकिन गांव के लोग लाश देने के लिए राजी नहीं थे ।गांव के लोगों और मृतक के परिजनों का कहना था कि पत्नी ने हत्या कर लाश को लटका दिया है। पुलिस ने काफी खोजबीन के बाद दुर्गावती को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष केके सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा बुझाकर शव को कब्जे में ले लिया।इस बाबत थानाध्यक्ष केके का कहना है जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची लाश घर में लटक रही थी। परिजनों के तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। मृतक के भाई गिरजा शंकर ने घटना की तहरीर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पत्नी दुर्गावती को हिरासत में लिया गया है।

आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र उतरेजपुर खंडहर गंदगी में तब्दील

बख्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा उतरेजपुर विकास खंड सिकरारा जौनपुर के उतरेजपुर में स्थित आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र खंडहर में तब्दील हो चुका है। सरकार के मंशा पर पानी फेर रहा आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र उतरेजपुर खंडहर गंदगी में तब्दील नजर आ रहा है। जहां सरकार हर संभव गरीबों को निःशुल्क इलाज कराने के लिए हर ग्राम सभा में आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र संचालित कर रही है। वहीं दूसरी ओर खंडहर में तब्दील आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र उतरेजपुर का स्थिति बेहद खराब हो गया है। उपकेंद्र का सभी दरवाजा खिड़कियां सहित अन्य सभी सामग्री खराब और गंदगी में गिरे हुए हैं। आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र पर खबर कवरेज के समय कोई भी कर्मचारी नहीं मिले हैं। ग्राम प्रधान पार्वती देवी ने बताया कि उपकेंद्र पर अंजू यादव ओपीडी चला रहीं हैं। कर्मचारी अंजू यादव से दूरभाष से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि आज मैं तिरंगा यात्रा में हूं जिला मुख्यालय पर हूं। जिसके कारण आज ओपीडी नहीं चालू है। ग्राम प्रधान पार्वती देवी ने बताया आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र पूर्व प्रधान के कार्यकाल में बनाया गया था।जो खंडहर और गंदगी में तब्दील हो गया है। उपकेंद्र के कर्मचारी अंजू यादव ने बताया कि ओपीडी रूप छोड़ कर सभी रूम गंदगी खंडहर में तब्दील है जो उपयोग लायक नहीं है। गांव के लोग शिवांशु गुप्ता, रामचंद्र विश्वकर्मा, राजेन्द्र यादव, शिवा यादव, शुशील यादव ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र कहां है अभी तक अधिकांश लोग जानते भी नहीं है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गयी रैली

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जिसके क्रम में अध्यक्ष नगर पंचायत रूखसाना कमाल फारूकी, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की उपस्थिति में हर घर तिरंगा रैली निकाली गयी। रैली के दौरान अध्यक्ष नगर पंचायत, जिलाधिकारी सहित अन्य के द्वारा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार बल्लभ भाई पटेल वीर अब्दुल हमीद, शिवराम हरि राजगुरू, असफाक उल्लाह खां, आर्यभटट, डा0 वेकेट रामन, वेंकी रामकृष्णन, चन्द्रशेखर वेकटरामन, होमी जहांगीर बाबा, कल्पना चावला सहित अन्य महापुरूषो के चित्र पर माल्यार्पण कर देश की आजादी तथा देश की उन्नति में उनके अतुल्य योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मड़ियाहू सुनील कुमार, क्षेत्राधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित आमजनमानस उपस्थित रहे।

मदरसा के बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर कस्बा स्थित मदरसा रफीकुल इस्लाम के बच्चों ने बुधवार को कस्बे में देशभक्ति के जज्बे के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। हालांकि इस दौरान हल्की बारिश भी होती रही। इस दौरान शाहिद अंसारी ने स्टाल लगाकर बच्चों को पानी और मीठा करवाया तिरंगा यात्रा के दौरान हर घर पर तिरंगा लगाने की अपील भी की गई। यात्रा में चेयरमैन प्रतिनिधि दिनेश सोनकर, प्रधानाचार्य राहिल अहमद, मो. शाहिद, मो.आसिफ, मो. हाशिम, अमीक अंसारी, कलीमुल्लाह अंसारी, मौलाना दाऊद आलम आदि शामिल रहे।

केराकत व्यापार मंडल में खींचतान, नगर अध्यक्ष बदले, प्रदीप कुमार पिंकू की ताजपोशी

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत व्यापार मंडल में इन दिनों अंदरूनी मतभेद खुले टकराव में बदल गए हैं। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल और नगर अध्यक्ष कृष्ण चन्द उपाध्याय उर्फ राजू के बीच पिछले कई दिनों से कार्यप्रणाली को लेकर खींचतान चल रही थी। सूत्रों के अनुसार नगर अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से तहसील अध्यक्ष के कुछ निर्णयों पर सवाल उठाए और संगठन के भीतर पारदर्शिता की मांग की। इस खुली नाराजगी को लेकर दोनों के बीच रिश्ते बिगड़ गए।स्थिति तब और गरमाई जब नगर अध्यक्ष कृष्ण चन्द उपाध्याय उर्फ राजू ने जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल सहित अपने समर्थकों के साथ तहसील अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने पिछले दिनों जिलाध्यक्ष से लिखित शिकायत की और तहसील अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने पर मंगलवार को नगर अध्यक्ष और जिला उपाध्यक्ष ने अपने समर्थकों के साथ वीडियो के माध्यम से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया।जवाब में तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने संगठन के अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए नगर अध्यक्ष कृष्ण चन्द उपाध्याय उर्फ राजू को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया। बुधवार को आपात बैठक में तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने सर्वसम्मति से प्रदीप कुमार पिंकू को नगर का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नए नेतृत्व में संगठन में एकजुटता और सक्रियता आएगी।घटनाक्रम को लेकर व्यापारियों में तरह-तरह की चचाएं हैं। एक ओर कुछ सदस्य इसे संगठन के अंदर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा मान रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर कई लोग इसे गुटबाजी और व्यक्तिगत वर्चस्व की लड़ाई बता रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रदीप कुमार पिंकू इस चुनौतीपूर्ण माहौल में संगठन को किस दिशा में ले जाते हैं।

जिलाधिकारी की उपस्थिति में मड़ियाहू नगर पंचायत अध्यक्ष ने हर घर तिरंगा रैली निकाली गयी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसके क्रम में अध्यक्ष नगर पंचायत रूखसाना कमाल फारूकी, जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र की उपस्थिति में हर घर तिरंगा रैली निकाली गयी। रैली के दौरान अध्यक्ष नगर पंचायत, जिलाधिकारी सहित अन्य के द्वारा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार बल्लभ भाई पटेल वीर अब्दुल हमीद, शिवराम हरि राजगुरू, असफाक उल्लाह खां, आर्यभटट, डा. वेकेट रामन, वेंकी रामकृष्णन, चन्द्रशेखर वेकटरामन, होमी जहांगीर बाबा, कल्पना चावला सहित अन्य महापुरूषो के चित्र पर माल्यार्पण कर देश की आजादी तथा देश की उन्नति में उनके अतुल्य योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मड़ियाहू सुनील कुमार, क्षेत्राधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित आमजनमानस उपस्थित रहे।

शादी का झाँसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 24 घण्टे के अन्दर किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस टीम द्वारा शादी का झाँसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 24 घण्टे के अन्दर किया गया गिरफ्तार ।डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे । अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान तथा थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 155/2025 धारा 69/352/351(3) बीएसएस मे वाछिंत आरोपी हेमन्त पुत्र अनिल कुमार गुप्ता निवासी बागबहार थाना पवई जिला आजमगढ उम्र करीब 26 वर्ष को मुखबीर खास की सूचना पर दिनाँक 13.08.2025 को समय रेलवे स्टेशन खेतासराय से 24 घण्टे के अन्दर पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर मुकदमा उपरोक्त में सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

किसान भाइयों को नि:शुल्क तोरिया बीज मिनीकिट प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेशक ने जनपद के किसान भाइयों को अवगत कराया है कि कृषि विभाग द्वारा जनपद जौनपुर में संचालित राज्य सहायतित तिलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत तोरिया निःशुल्क बीज मिनीकिट दिये जाने का प्राविधान है। उक्त के क्रम में शासन के निदेर्शानुसार तोरिया मिनीकिट की बुकिंग हेतु विभागीय पोर्टल https://agridarshan.up.gov.in 31 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा। निःशुल्क मिनीकिट प्राप्त करने हेतु इच्छुक कृषक उक्त पोर्टल के माध्यम से टोकन की विकास खण्डवार बुकिंग कर लाभ प्राप्त कर सकते है।

तिरंगा यात्रा: जौनपुर के रूहट्टा नगरपालिका पब्लिक स्कूल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान

रूहट्टा से पुलिस लाइन तक निकली यात्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इस स्वतंत्रता दिवस पर, जौनपुर के रूहट्टा नगरपालिका पब्लिक स्कूल ने एक प्रेरणादायक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा न केवल देशभक्ति के जज्बे को दशार्ती है, बल्कि छात्रों और नागरिकों के बीच राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व को भी बढ़ावा देती है।

यात्रा का उद्देश्य और महत्व

तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारतीयता और देशप्रेम की भावना को लोगों तक पहुंचाना था। तिरंगे का महत्व हम सभी जानते हैं झ यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम और हमारे देश के गर्व का प्रतीक है। इस यात्रा का आयोजन छात्रों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और निष्ठा सिखाने के लिए किया गया था, ताकि वे अपने देश की समृद्धि और सम्मान की ओर अग्रसर हो सकें।

यात्रा का आयोजन

रूहट्टा नगरपालिका पब्लिक स्कूल के छात्र और शिक्षक तिरंगे के साथ पूरे शहर में यात्रा करते हुए विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरे। यात्रा में भाग लेने वाले बच्चों ने हाथों में तिरंगा थामे हुए थे, और उनके चेहरों पर गर्व और उत्साह साफ झलक रहा था। स्कूल के प्रधानाचार्य ने इस यात्रा की शुरूआत की और बच्चों को प्रेरित किया कि वे हमेशा देश के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखें।

यात्रा की विशेषताएँ

शांति और एकता का संदेश - यात्रा में बच्चों के साथ-साथ स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए, जो देश की एकता और अखंडता का संदेश देने के लिए एकजुट हुए। देशभक्ति के गीत - यात्रा के दौरान देशभक्ति के गीत गाए गए, जैसे वन्दे मातरम और भारत माता की जय, जिससे वातावरण में उत्साह और जोश भर गया। आदर्श नागरिकता की दिशा में कदम - यह यात्रा केवल एक शारीरिक यात्रा नहीं थी, बल्कि यह भारतीय नागरिकता और देशप्रेम के लिए एक आदर्श प्रेरणा भी थी।

नागरिकों की भागीदारी

यात्रा के दौरान, स्थानीय नागरिकों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और तिरंगे के साथ इस यात्रा में भाग लिया। यह दृश्य किसी उत्सव से कम नहीं था, जहां हर किसी ने मिलकर अपने देश के प्रति प्यार और सम्मान का इजहार किया। नागरिकों ने स्कूल के प्रयासों की सराहना की और ऐसे आयोजनों को राष्ट्रीय एकता और बंधुत्व के प्रतीक के रूप में देखा।

स्कूल के प्रधानाचार्य की बात

प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा, हमारा प्रयास यह है कि हमारे छात्रों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गहरी निष्ठा हो और वे इसे केवल एक प्रतीक न मानकर अपने देश के गौरव का प्रतीक मानें। तिरंगा यात्रा का आयोजन इस बात को लेकर बच्चों में जागरूकता पैदा करता है कि हमारे देश की स्वतंत्रता और एकता कितनी महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

तिरंगा यात्रा ने न केवल एकजुटता और सामूहिकता का संदेश दिया, बल्कि यह भारत के विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक रंगों को जोड़ने का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। इस प्रकार के आयोजन हमें याद दिलाते हैं कि हमें अपने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति हमेशा सम्मान और गर्व महसूस करना चाहिए, क्योंकि यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता का प्रतीक है।

अंततः, रूहट्टा नगरपालिका पब्लिक स्कूल द्वारा निकाली गई यह तिरंगा यात्रा आज के समय में देशभक्ति की एक मजबूत मिसाल बनकर उभरी है, जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क में 16 अगस्त से आगन्तुको के प्रवेश पर टिकट लागू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 26 जुलाई 2025 को उद्यान विकास समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में 16 अगस्त 2025 से लोहिया पर्यावणीय उद्यान पार्क में टिकट व्यवस्था पुनः लागू कर दी गयी है, कृपया सभी से अनुरोध है कि अपना मासिक/ त्रैमासिक/ छमाही/वार्षिक, पास तत्काल बनवाने का कष्ट करे। टिकट एवं पास की दर दैनिक टिकट दर रू0 05, मासिक पास दर रू0 100, त्रैमासिक पास दर रू0 250, छमाही पास दर रू0 500, वार्षिक पास दर रू0 1000 है।पास बनवाने हेतु कृपया प्रभारी के मो0न0 7007284234 सह प्रभारी मो0न0 9580731907 से सम्पर्क करें। पार्क को स्वच्छ और सुन्दर रखने हेतु टिकट/पास बनवाकर सहयोग करें।

नन्दी तिराहे पर दबंगों ने दम्पति को मार पीट कर घायल किया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के जैतपुरा थानान्तर्गत नन्दी तिराहे (गोलगड्डा) के समीप आटो रिक्शा चालक को दबंगो ने मार पीट कर घायल करने के बाद जाते आटो का शिशा भी तोड़ कर फरार हो गये। भुक्तभोगी ने बताया अपने पत्नी और बच्चे को बैठाकर घर को जा रहे थे। गोलगड्डा तिराहे पर खड़े होकर हम पति-पत्नी आपस में बातचीत कर रहे थे अचानक दो-तीन की संख्या में युवक आकर मेरी पत्नी शालिनी यादव से अश्लील हरकतें करने लगे विरोध करने पर मुझे मारने पीटने लगे जब पत्नी बीच बचाव करने लगी उनको भी दबंगो ने मार पीट कर घायल कर दिया। मारपीट होते देख क्षेत्रीय लोगो ने पुलिस को सूचना दिया सूचना मिलते ही जैतपुरा पुलिस मौके पर पहुंच कर घायल पति और पत्नी को इलाज और मेडिकल मुआयना के लिए जिला अस्पताल कबीर चौरा भेजने के बाद तिराहे पर लगे कैमरे से दबंगों की पहचान के लिए पुलिस जूटी।

मैनिया बाबा मेला को ईईई ने किया फीडर का निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। स्थानीय शहर में उत्तर बिहार का प्रसिद्ध मेला 1923 से प्रतिवर्ष लगता आ रहा है। इस वर्ष 22 अगस्त और 23 अगस्त को मेला लगेगा। 22 अगस्त की रात्रि जुलूस व 23 अगस्त को महावीर झंडा अखाड़ा 22 गांव से मेला परिसर तक आता है। अखाड़ा धारी को बिजली विभाग से कोई परेशानी न हो इसको लेकर बिजली विभाग सख्त है। महाराजगंज बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रशांत कुमार, महाराजगंज बिजली विभाग के एसडीओ, दिलीप कुमार, जूनियर इंजीनियर आशीष रंजन ने संयुक्त रूप से ओवर हेड गुजरने वाले तारों का निरीक्षण किया। लूज तारो को ठीक करने व झंडा अखाड़ा निकलते वक्त बिजली सप्लाई उक्त फीडर में बिजली प्रशासन के मांग के अनुसार बंद करने का निर्देश दिया।

रसोईया सह सहायक का प्रशिक्षण आरंभ

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। जिला कार्यालय सिवान द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रखण्ड-महाराजगंज के न्यू बीआरसी भवन महाराजगंज में रसोईया - सह- सहायकों का प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसका उदद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महाराजगंज द्वारा किया गया। प्रशिक्षक के रूप में प्रखंड साघन सेवी प्रभारी (योजना) महाराजगंज के अलावा प्रदीप कुमार लेखापाल,, जितेंद्र कुमार डाटा आपरेटर एवं प्रशिक्षु रसोईया सहायक उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण 19 अगस्त 2025 तक संचालित रहेगा। प्रत्येक पालि में 50-50 रसोईमा-सह-सहामक का प्रशिक्षण चलेगा।

मौनी बाबा राजकीय मेला तैयारी को लेकर सांसद ने एसडीओ एसडीपीओ के साथ की बैठक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। स्थानीय अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में राजकीय मुनिया बाबा बेला की तैयारी की समीक्षा बैठक हुई। महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व सीवान के जिला अधिकारी डॉआदित्य प्रकाश,एसपी मनोज कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी महाराजगंज अनीता कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमन कुमार ईओ महाराजगंज व भाजपा के जिला अध्यक्ष सहित भाजपा के जिला संगठन के पदाधिकारी गण के साथ मेला की व्यवस्था पर चर्चा की गई।

बिहार प्रदेश सहित राष्ट्रीय स्तर पर मल्लाह समाज सर्वाधिक उपेक्षितः अशोक सहनी

पटना। सोमवार को एक प्रेसवार्ता करते हुए भारतीय मत्स्य व्यापार परिषद के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष, भारतीय एकलव्य सेना के प्रदेश महामंत्री एवं भाजपा मत्स्यजीवी प्रकोष्ठ झंझारपुर जिला अध्यक्ष अविनाश कुमार उर्फ अशोक सहनी ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्षों के बाद भी हमारा मल्लाह/ निषाद समाज आज भी सर्वाधिक उपेक्षित एवं कई मूलभूत नागरिक अधिकारों से वंचित है। जबकि देश में हमारी आबादी 18% और बिहार में कुल आबादी 13% से अधिक है मगर अन्य वर्गों के मुकाबले जो प्रगति होना चाहिए वह अभी तक नहीं हुआ है कजबकि हमारा एक अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। जिसमें रामायण की रचना करने वाले महर्षि वाल्मीकि जी, महाभारत की रचना करने वाले महर्षि वेदव्यास जी, निषादराज गुह, वीर एकलव्य, ऋषि अगस्त्य, ऋषि कन्नन निषादराज केवट, कनन आदि का जीवन चरित्र हमारे देश के आस्था का प्रतीक एवं प्रेरणा स्त्रोत हैं और युगों तक वह हमारे आराध्य रहेंगे। स्वाधीनता संग्राम से लेकर राष्ट्र के निर्माण में भी हमारे मछुआ समुदाय का महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक योगदान रहा है। लेकिन देश की आजादी के बाद भी यह समाज आज भी सामाजिक-आर्थिक विकास, राजनीतिक एवं अन्य मूलभूत संवैधानिक नागरिक अधिकारों से वंचित है जो हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के बिल्कुल प्रतिकूल एवं शर्मनाक है। क्योंकि आज भी हमारे मछुआ समाज की 70% से अधिक आबादी का जीवन स्तर खानाबदोश एवं घुमंतू जनजातियों की ही भांति अपना जीवन बसर करने के लिए विवश हैं। उनके जीवन स्तर में व्यापक रूप से सुधार करने के लिए मल्लाह समाज को बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार को अनुसूचित जाति में शामिल कर देना चाहिए और जहां तक सम्भव है इसके लिए पहल करने में विलम्ब नहीं होना चाहिए। हमारे मल्लाह समाज को अपनी एकजुटता की ओर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए क्योंकि अगर हम एकजुट होकर रहेंगे तो हमारे समाज के 35-40 विधायक बिहार विधानसभा में हो सकते हैं और 4 सांसद भी हो सकते हैं। वैसे पूर्व की अपेक्षा हमलोग अधिक सक्रिय रूप से अब एकजुट हुए हैं। हमारे समाज की स्वतंत्रता के बाद 75 वर्षों तक हर स्तर पर उपेक्षा की गई है कलेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद केन्द्र सरकार के द्वारा मत्स्यपालन मंत्रालय का गठन किया गया है और इसके अन्तर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत हमारे देश के लाखों मछुआरों को लाभान्वित किया गया है।

बीएसएनएल उपभोक्ता सेवा केन्द्रों पर एक रुपए में दिया जा रहा है नया बीएसएनएल का सिम

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपने ग्राहकों के लिए एक नया बेहद आकर्षक और शानदार फीडम प्लान 1/- शुरू किया है। प्लान के तहत वाराणसी,चन्दौली, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र व गाजीपुर के सभी बीएसएनएल उपभोक्ता सेवा केन्द्रों पर एक रुपए में नया बीएसएनएल का सिम दिया जा रहा है। साथ ही एक ही रुपये में मौजूदा नंबर को बीएसएनएल में पोर्ट कराने की भी सुविधा दी गई है। नये कनेक्शन पर सिम मुफ्त में दिया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आम जनता तक मोबाइल व इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में बीएसएनएल की यह एक प्रमुख पहल है। इस प्लान में कोई भी ग्राहक मात्र एक रुपया देकर नया बीएसएनएल सिम एवं पहला रिचार्ज पा सकता है। इसमें प्लान में 2 जीबी प्रतिदिन डाटा, 100 एसएमएस प्रतिदिन एवं असीमित वाइस काल के साथ 30 दिनों की वैधता मिलेगी। अन्य ऑपरेटर से बीएसएनएल में पोर्ट करने के लिए भी सिर्फ एक रुपये का शुल्क लगेगा तथा वही सुविधाएं मिलेगी। यह प्लान 31 अगस्त 2025 तक के लिए उपलब्ध है। वाराणसी में अभी तक 5000 से ज्यादा सिम विक्रय किया जा चुका है तथा सिम खरीदने के लिए ग्राहकों की मांग पर जगह जगह कैंप लगाकर भी सिम वितरण किया जा रहा है।

बीएसएनएल मोबाइल वैन के माध्यम से भी सिम उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत उपभोक्ता बीएसएनएल के स्वदेशी 4G सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। संशोधित भारत नेट परियोजना के तहत वाराणसी के बड़ागांव ब्लॉक से ग्राम पंचायत को ग्राम पंचायत से जोड़ें जाने का कार्य भी आरंभ हो गया है। वर्तमान भारतनेट फाइबर नेटवर्क को दुरुस्त करके ग्राम पंचायतों की फाइबर कनेक्टिविटी भी मजबूत की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल द्वारा 30 माह के नए प्लान लांच की गए है प्लान 5900- भारतनेट के तहत 25 एमबीपीएस स्पीड के साथ 100 जीबी प्रतिमाह व प्लान 9900- भारतनेट 40 एमबीपीएस स्पीड के साथ 1200 जीबी प्रतिमाह की सुविधा दी जाएगी। डाउनलोड लिमिट के बाद स्पीड 4 एमबीपीएस हो जाएगी। उपभोक्ता को असीमित कालिंग की सुविधा भी मिलेगी। उपभोक्ता का कनेक्शन निःशुल्क लगाया जाएगा।

बाइक गाय से टकरायी, अधेड़ की मौत, एक घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के मंगलवार की रात जमुहर बाजार से घर जा रहे बाइक सवार गाय से टकरा गए। जोरदार टक्कर में घायल अधेड़ की मौत हो गई जबकि साथी गम्भीर रूप से घायल हो गया है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। मीरगंज थाना क्षेत्र के करियांव(दरापुर)गांव निवासी 55 वर्षीय प्रेमचन्द उर्फ राजेश गौतम पुत्र स्व रामबरनऔर 56 वर्षीय शाहीनाथ पुत्रशिव जमुहर बाजार आए थे। दोनो बाइक पर सवार होकर करियांव वापस घर लौट रहे थे।करौंदी मोड के पास उनकी बाइक के सामने अचानक गाय आकर टकरा गया जिससे अनियंत्रित होकर दोनों सड़क पर गिर गए। जबकि बाइक पर पीछे बैठा प्रेमचन्द बुरी तरह घायल हो गया और उसका सिर फट गया गम्भीर रूप से घायल दोनों को लोगो ने एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर भेजा।जहा प्रेमचन्द की मौत हो गई। प्रेमचन्द मजदूरी का कार्य करता था।उनके परिवार दो लड़की और एक पुत्र हैं।

दूसरे घायल शाही नाथ को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।सूचना पर पुलिस अस्पताल में पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।

बिक्रमगंज के लोगों ने मेगाशॉप के नए खुले स्टोर का गर्मजोशी से स्वागत किया

पटना। वैल्यू फैशन सेगमेंट में पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन मेगाशॉप ने बिहार के बिक्रमगंज में अपने नए स्टोर के लॉन्च की घोषणा की है। मेगाशॉप एक संपूर्ण पारिवारिक फैशन स्टोर है जो निमार्ताओं और ग्राहकों के बीच बिचौलियों को हटाकर, हर वर्ग के लोगों के लिए उचित दामों पर आधुनिक और फैशनेबल सामान लाता है। बिक्रमगंज में नया स्टोर तेंदुनी चौक, सासाराम रोड, बिक्रमगंज, बिहार में स्थित है। यह स्टोर 8000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है।

लॉन्च की घोषणा करते हुए, मेगाशॉप के सीएमडी, श्री हेमंत अग्रवाल ने कहा, बिहार के बिक्रमगंज में अपना पहला स्टोर खोलना हमारे लिए बेहद खुशी और गर्व का क्षण है।

राज्य में हमारे अन्य स्टोर्स को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए, हमने बिक्रमगंज के निवासियों को भी वैसा ही खरीदारी का अनुभव प्रदान करने के बारे में सोचा। हमारा प्रयास अपने ग्राहकों को बेहतरीन उत्पाद, सेवा और समग्र अंतरराष्ट्रीय खरीदारी का अनुभव प्रदान करना है। बिक्रमगंज में यह नया स्टोर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एक विशेष लॉन्च ऑफर के रूप में, हम अपने ग्राहकों को हर खरीदारी पर मुफ्त उपहार दे रहे हैं। हमारा नया स्टोर अविस्मरणीय रूप से किफायती दामों पर बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पादों का संग्रह प्रदर्शित कर रहा है। नया शोरूम विशाल आंतरिक सज्जा के साथ एक बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। नए स्टोर में युवाओं के लिए एक जीवंत और ट्रेंडी रेंज उपलब्ध है, जिसमें पुरुषों के लिए शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, जींस, ट्रैक सूट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा, सूट और महिलाओं के लिए फैंसी टॉप, कुर्ती, जींस, शादी की साड़ियाँ, शादी के डिजाइनर सूट, लेगिंग, पजामा और हरेम पैंट शामिल हैं।

ट्रंप टैरिफ से हड़बडाए उद्यमियों को सरकार ने राहत पैकेज पर विचार का भरोसा दिया

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय में बुधवार को अमेरिकी टैरिफ से कालीन और हस्तशिल्प उद्योग पर पड़ने वाले असर को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस दौरान कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह को ज्ञापन पत्र सौंपा। पत्रक को लेने के बाद वस्त्र मंत्री ने ट्रंप टैरिफ से हड़बडाए उद्यमियों को सरकार से राहत पैकेज पर विचार करने का भरोसा दिया। बैठक में राज्य मंत्री पवित्रा मार्गीरीटा, टेक्सटाइल सेक्रेटरी, डीसी हैंडीक्राफ्ट, ट्रेड एडवाइजर शुभ्रा, अमित कुमार और मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बता दें, राष्ट्रीय स्तर के इस कॉन्क्लेव में सीईपीसी और एकमा के प्रतिनिधियों सहित जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से आए उद्योग जगत के दिग्गजों ने भाग लिया। उपाध्यक्ष राजेश कुमार, मानद सचिव एवं सीईपीसी सदस्य पीयूष बरनवाल, पूर्व मानद सचिव एवं सीईपीसी सदस्य असलम महबूब, जम्मू-कश्मीर से मेहराज जान, ओबीटी से स्मिता नागरकोटी और गौरव शर्मा शामिल रहे। पीयूष बरनवाल एवं असलम महबूब ने कहा कि भारतीय कालीन उद्योग अपनी विशिष्ट हस्तनिर्मित मखमली बुनाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह उद्योग देश को 17 हजार करोड़ रुपये का वार्षिक निर्यात देता है और करीब 28-30 लाख लोगों की आजीविका का सहारा है, जिनमें 25 फीसदी महिलाएं हैं। उन्होंने चेताया कि चूंकि हमारे कुल उत्पादन का 60 फीसदी हिस्सा अमेरिका को जाता है और 98 फीसदी उत्पादन निर्यात आधारित है, इसलिए, अमेरिकी सरकार का 50 फीसदी टैरिफ उद्योग की कमर तोड़ देगा और लाखों परिवारों को बेरोजगारी के मुहाने पर ला देगा। बैठक में फोकस लाइसेंस, आयकर में छूट, 25 फीसदी बेलआउट पैकेज, रोडटेप योजना की बहाली, इंटरेस्ट सबवेंशन जैसे राहत उपायों की मांग की गई। इसके साथ ही अक्टूबर में होने वाले भदोही एक्सपो के लिए अनुदान की स्वीकृति शीघ्र भेजने की भी अपील की गई, ताकि उद्योग को रियायती दर पर मेले की सुविधा मिल सके। वस्त्र मंत्री ने उद्योग के प्रति सकारात्मक रुख अपनाते हुए भरोसा दिलाया कि इन मांगों पर गंभीरता से विचार होगा।

आयुर्वेदिक सुपरफूड्स के साथ मानसून में पाएं एक्ने-फ्री ग्लोइंग स्किन

पटना (उत्तरशक्ति)। मानसून के मौसम में नमी और तापमान में बदलाव के कारण त्वचा संबंधी समस्याएं जैसे बंद पोर्स, अधिक तेल स्राव और बार-बार होने वाले फोड़े-फुंसियां आम हो जाती हैं। जहां लोग स्किनकेयर प्रोडक्ट्स पर ध्यान देते हैं, वहीं खानपान का असर अक्सर नजरअंदाज रह जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में वात और पित्त दोष बढ़ जाते हैं, जिससे सूजन और त्वचा रोगों की संभावना बढ़ती है। प्रमुख आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन का कहना है कि मानसून में त्वचा की सेहत बनाए रखने के लिए आहार में मीठे और हल्के तैलीय प्रकृति वाले खाद्य पदार्थ शामिल करना लाभकारी है। इससे शरीर में ठंडक बनी रहती है और वात-पित्त दोष का संतुलन साधा जा सकता है। वह बताती हैं कि बादाम वात और पित्त दोष को संतुलित कर त्वचा को भीतर से पोषण देता है और निखार लाता है। हल्दी अपने एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण पाचन सुधारकर त्वचा को साफ और स्वस्थ बनाती है। आंवला त्रिदोष को संतुलित कर इम्युनिटी को बढ़ाता है और त्वचा की जवानी बनाए रखने में मदद करता है। नीम खून को शुद्ध कर पिंपल्स और त्वचा संक्रमण से बचाता है, जबकि लहसुन एक प्राकृतिक डिटॉक्स के रूप में कार्य करता है और त्वचा को अंदर से साफ करता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर भी खाली पेट लहसुन खाने के फायदों की चर्चा ने इसे और लोकप्रिय बना दिया है। डॉ. कृष्णन का कहना है कि खूबसूरती सिर्फ बाहर से नहीं, बल्कि अंदर से आती है। सही खानपान और पोषण के साथ, कैलिफोर्निया बादाम और हल्दी जैसे सुपरफूड्स को आहार में शामिल कर, मानसून में भी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखा जा सकता है।

एचएमएसआई ने भारत में 25 वर्ष पूरे होने पर दिया तोहफा

पटना(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपने तीन प्रतिष्ठित मॉडलों एक्टिवा 110, एक्टिवा 125 और एसपी125 के 25वीं वर्षगांठ संस्करण लॉन्च किए। यह पेशकश भारत में होंडा की 25 साल की सफल यात्रा को समर्पित है। 2001 में लॉन्च होने के बाद से होंडा एक्टिवा देशभर में एक भरोसेमंद नाम बन चुका है और स्कूटर सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है, वहीं ख्125 हाल के वर्षों में होंडा की सबसे सफल मोटरसाइकिलों में से एक के रूप में उभरी है। इन तीनों विशेष संस्करण मॉडलों की बुकिंग अब शुरू हो चुकी है और ये अगस्त 2025 के अंत तक होंडा के सभी अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध होंगे। नए एडिशन पेश करते हुए त्सुतुमु ओटानी, प्रबंध निदेशक, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, एचएमएसआई ने कहा, 25 साल से एक्टिवा सिर्फ एक स्कूटर नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद साथी, विश्वसनीयता की मिसाल और भारत की यात्रा कहानी का अभिन्न हिस्सा रही है। इस लॉन्च के बारे में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर इ सेल्स एवं मार्केटिंग, योगेश माथुर ने कहा, एक्टिवा सिर्फ एक स्कूटर नहीं है, यह भारत भर में करोड़ों परिवारों का भरोसेमंद साथी है और अपनी टैगलाइन स्कूटर बोले तो एक्टिवा पर पूरी तरह खरी उतरती है। वहीं एसपी125, 125सीसी सेगमेंट के सबसे प्रशंसित मोटरसाइकिलों में से एक बन चुकी है, जो स्टाइल, आराम और प्रदर्शन का बेहतरीन संतुलन पेश करती है। एक्टिवा 110 की कीमत 92,565 रुपए, एक्टिवा 125 की 97,270 रुपए और एसपी125 की 1,02,516 रुपए (एक्स-शोरूम, दिल्ली) रखी गई है। ग्राहक इन्हें ऑनलाइन या नजदीकी डीलरशिप पर ऑफलाइन बुक कर सकते हैं। यह अगस्त 2025 के अंत तक देशभर में होंडा के शोरूम में उपलब्ध होंगे।

15 अगस्त की प्रेड तैयारी में लगे सेंट जोसेफ के छात्र

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। 15 अगस्त को देश आजादी का 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। सरकारी, गैर सरकारी कार्यालय एवं विद्यालय इस दिन देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आएंगे। इसी क्रम में स्वतंत्रता दिवस को भव्य रूप देने के लिए शहर के विभिन्न विद्यालयों में राष्ट्रभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक आयोजनों की तैयारी की जा रही है। स्थानीय नगर पंचायत के विद्यालयों में जहां सुविधाओं के अभाव में कई तरह के सवाल खड़े होते हैं, वही कुछ विद्यालय ऐसे भी हैं जो कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर ही अपने बच्चों की प्रतिभाओं को निखार रहे है। शहर के सेंट जोसेफ स्कूल, सावान विग्रह का विश्व भारती पाठशाला ग्लोबल स्कूल, जीपी इंटरनेशनल स्कूल शिवदह में 15 अगस्त की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले बच्चे स्कूल में कई रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। बच्चों को उनके कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने के लिए शिक्षकों के साथ-साथ घर पर अभिभावक भी तैयारी करवा रहे हैं।

नूरपुर बाजार से पृथ्वीपुर तक निकाली गई तिरंगा यात्रा

जौनपुर। जिले के रामपुर विकासखण्ड के ग्रामसभा नूरपुर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। समाजसेवी अमित सिंह टाटा के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा नूरपुर बाजार से पृथ्वीपुर तक गई। इसके बाद सभा में तब्दील हो गई। इस मौके पर अमित सिंह टाटा ने कहा कि आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो यह हमारे देश के वीर जवानों और शहीदों के बलिदान की देन है। शहीदों ने हमारे भविष्य को संवारने के लिए अपनी आहूति दे दी है। हमें गर्व है कि हम ऐसे देश में जन्म लिए हैं जहां पर महाराणा प्रताप जैसे वीर योद्धा ने जन्म लिया, हमें गर्व है अपनी मिट्टी पर जहां शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया है। तिरंगा यात्रा में शहीदों को शत शत नमन किया गया है। इस दौरान भारत माता के जय घोष से पूरा वातावरण देशभक्तिमय हो गया। इस मौके पर नीरज गुप्ता, अखिल प्रताप सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, स्वतंत्र सिंह सहित अन्य सम्मानित जन उपस्थित रहें।

संसद के नेतृत्व में बाइक से निकाली गई तिरंगा यात्रा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। पीएम मोदी के आह्वान पर पूरे राज्य में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 13 अगस्त को महाराजगंज में आरबीजीआर कॉलेज के प्रांगण से अपराहन 4:00 बजे भाजपा की ओर से बाइक से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा नखास चौक, राजेंद्र चौक, मुख्य मार्ग से होते हुए सीहोता चौक, शहीद स्मारक चौक, कपूरी चौक होते हुए शहर के विभिन्न मार्ग का भ्रमण करते हुए फुलेना बाबू शहीद स्मारक के तरफ बढ़ता रहा। यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में तिरंगा था जिसे लेकर भारत माता की जय के नारे लग रहे थे। यत शाहिद फुलेना स्मारक में पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई। इस अवसर पर सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने तिरंगे को आन-बान और शान का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि देश और दुनिया के लोग भी भारतीय सैनिकों और सेना के प्रति गर्व और सम्मान की भावना रखते हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा देश के वीर जवानों के सम्मान का एक माध्यम है।